आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

आईएसबीएन : 978-93-7029-500-1

जून 2025

वर्ष 04 अंक 06

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

Editors :
Dr. Vimal Kumar Dubey (Chief Editor)
Dr. Sadhvi Nandan Pandey (Editor)

© **Editors**

Edition : 2025
Pages : 36
Size : A4
Paper Quality (GSM) : NIL (Only Electronic)

Published by :
Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur,
Uttar Pradesh-273007
Tel. : +9999764424, 8765005177
E-mail : mguniversitygkp@mgug.ac.in

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
स्वस्ति पन्थामनुचरेम्
2021

आरोग्य पथ

वर्ष-4, अंक-06 जून, 2025 मासिक ई-पत्रिका

सम्पादकीय

एकीकृत चिकित्सा : समग्र स्वास्थ्य की कुंजी

एकीकृत चिकित्सा मानव कल्याण के लिए एक नया दृष्टिकोण है। आज निश्चित तौर पर हम कह सकते हैं कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति शोध और अनुसंधानों के बल पर नित नवीनता को प्राप्त हो रही है और भी सक्षम और विकसित हो रही है लेकिन मानवों के वर्त्तमान जीवनशैली को देखते हुए आधुनिक चिकित्सा प्रणाली तीव्र एवं आपातकालीन रोगों के लिए तो अत्यंत प्रभावी है, परंतु यह दीर्घकालिक रोगों, मानसिक तनाव और जीवनशैली संबंधी विकारों के उपचार में सीमित परिणाम देती है। ऐसे में, पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों जैसे आयुर्वेद, योग, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्धा तथा प्राकृतिक चिकित्सा के साथ आधुनिक चिकित्सा के एकीकरण की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। यह समेकित दृष्टिकोण ही संयुक्त चिकित्सा का आधार बनता है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के संस्थापक भारत रत्न महामना मदन मोहन मालवीय ने विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्य में ही एकीकृत चिकित्सा को बल दिया है। उन्होंने आयुर्वेद जैसी पारंपरिक भारतीय प्रणालियों और आधुनिक पश्चिमी चिकित्सा पद्धति, दोनों को शामिल करने का वकालत करके चिकित्सा के प्रति एक एकीकृत दृष्टिकोण का समर्थन किया। महामना ने बीएचयू की कल्पना एक ऐसे स्थान के रूप में की थी जहाँ समग्र स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा प्रदान करने के लिए दोनों क्षेत्रों की सर्वोत्तम विशेषताओं का संयोजन किया जा सके। एंड्रयू वील ने भी चिकित्सा शिक्षा में योग, पोषण, आयुर्वेद, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा को शामिल करने की समर्थन किया है। यह शरीर के स्वयं स्वस्थ रखने की जन्मजात प्रतिरोधक क्षमता का सम्मान करता है, रोगी और चिकित्सक के बीच संबंधों को महत्व देता है और उपचार की सुविधा के लिए उपयुक्त होने पर पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा को एकीकृत करता है। यह स्वास्थ्य की व्यापक परिभाषा की ओर आंदोलन को बढ़ावा देता है व स्वास्थ्य और कल्याण के साथ-साथ बीमारी पर रोगी के दृष्टिकोण को जानने के महत्व पर जोर देता है। एकीकृत चिकित्सा आधुनिक और पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का समन्वित रूप है, जिसका उद्देश्य रोगी के समग्र स्वास्थ्य को सशक्त बनाना है। यह चिकित्सा प्रणाली रोग के लक्षणों के बजाय उसकी मूल जड़ों पर कार्य करती है और शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक पक्षों को संतुलित करके उपचार प्रदान करती है। चिकित्सा का हेतु ही समग्र स्वास्थ्य है। समग्र स्वास्थय के बारे में आयुर्वेद आचार्य सुश्रुत कहते हैं की व्यक्ति के त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) अग्नि (जठराग्नि), धातु (रस, रक्त, मांस आदि), मल (मूत्र, मल, स्वेद) की क्रियाएं सम (संतुलित) हों तथा आत्मा, इंद्रियाँ एवं मन प्रसन्न हों, वही व्यक्ति स्वस्थ कहलाता है। 'समदोषः समाग्निश्च समधातु मलक्रियाः। प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थ इत्यभिधीयते।' आधुनिक चिकित्सा या विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वास्थ्य केवल रोग या दुर्बलता की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्णतः कुशल स्थिति है। यूनानी पद्धति में स्वास्थ्य को 'मिजाज का संतुलन' माना गया है। जब शरीर के चार अखलात (खून, पित्त, बलगम और सैदा) संतुलन में रहते हैं, तो व्यक्ति स्वस्थ होता। होम्योपैथी कहती है कि जब शरीर की वाइटल फोर्स (जीवनी शक्ति) संतुलन में होती है और रोग नहीं होता, तब व्यक्ति स्वस्थ होता है। योग दर्शन अनुसार शरीर, मन और आत्मा का सामंजस्य ही स्वास्थ्य है। सिद्ध चिकित्सा तमिलनाडु की पारंपरिक पद्धति है। इसमें कहा गया है कि जब पंचतत्व (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) तथा त्रिदोष संतुलन में रहते हैं, तभी व्यक्ति स्वस्थ होता है। अर्थात इन सभी चिकित्सा पद्धतियों के अनुसार समग्र स्वास्थ्य शारीरिक, मानसिक, आत्मिक रूप से स्वस्थ होना ही है। इसलिए समग्र स्वास्थ्य के दृष्टि से आधुनिक चिकित्सा पर्याप्त नहीं है अतः समय परिस्थिति के अनुसार सभी पद्धतियों की सहायता लेते हुए एकीकृत चिकित्सा की आवश्यकता पड़ती है। इस पद्धति से रोगी के रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि, रोगों की पुनरावृत्ति में कमी, जीवनशैली में सुधार, न्यूनतम दुष्प्रभाव, रोगी की सक्रिय भागीदारी आदि जैसे लाभ प्राप्त होते हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसकी उपयोगिता देखें तो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अवसाद, कैंसर, थकावट जैसे रोगों में संयुक्त चिकित्सा आशाजनक परिणाम दे रही है। भारत सरकार भी 'आयुष मंत्रालय' के माध्यम से विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के एकीकरण को प्रोत्साहित कर रही है। कैंसर रोगियों में कीमोथेरेपी के साथ योग और आयुर्वेदिक चिकित्सा को जोड़ने से मनोवैज्ञनिक तनाव में कमी, जीवन की गुणवत्ता में सुधार और रोग प्रतिरोधकता में वृद्धि देखी गई है। यदि समेकित चिकित्सा प्रणाली में कमियों की जांच करें तो हम पाते हैं कि विभिन्न पद्धतियों में समन्वय की कठिनाई है, वैज्ञानिक साक्ष्यों की कमी, प्रशिक्षित संयुक्त चिकित्सा चिकित्सकों की कमी, नीति एवं नियमन संबंधी स्पष्टता का अभाव दिखता है। यदि इन कमियों को दूर कर दिया जाये तो हम कह सकते हैं कि एकीकृत चिकित्सा आधुनिक चिकित्सा पद्धति की सीमाओं को पार करते हुए रोगी केंद्रित, समग्र और नैतिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण प्रदान करती है। यह न केवल उपचार की गुणवत्ता बढ़ाती है बल्कि समाज को रोगमुक्त और स्वस्थ बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। यह पद्धति आज एक संतुलित स्वास्थ्य प्रणाली का प्रतीक बन रही है, जिसमें प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का मिलन होता है। भविष्य में यह चिकित्सा प्रणाली अधिक प्रभावशाली, सुरक्षित और व्यापक बनकर उभरेगी।

- आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

प्रकाशक
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

आरोग्य पथ

वर्ष-4, अंक-06 जून, 2025 मासिक ई-पत्रिका

माह विशेष

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग : अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य केवल एक नारा नहीं, बल्कि वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब संपूर्ण विश्व जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, तनाव, रोगों और मानसिक अशांति से जूझ रहा है, तब योग वह सेतु है जो व्यक्ति, समाज, प्रकृति और ब्रह्माण्ड को संतुलन में लाने का कार्य कर सकता है। योग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को सुधारता है, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य, पर्यावरणीय संतुलन और मानवीय मूल्यों की रक्षा भी करता है।

योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने की पद्धति नहीं, बल्कि यह आत्मा, मन और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग हमें यह सिखाता है कि हम प्रकृति का हिस्सा हैं, न कि उससे अलग। जब हम योग करते हैं, तो हम अपने अंदर की ऊर्जा को जाग्रत करते हैं और पृथ्वी से जुड़ने की क्षमता विकसित करते हैं।

इस संकल्प का आशय है कि पृथ्वी पर मौजूद सभी जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों, नदियों, पर्वतों और मनुष्यों का स्वास्थ्य परस्पर जुड़ा हुआ है। यदि पृथ्वी बीमार होगी तो मानव भी स्वस्थ नहीं रह सकता। अतः व्यक्ति का स्वास्थ्य, समाज का स्वास्थ्य, और प्रकृति का स्वास्थ्य तीनों का संरक्षण अनिवार्य है।

योग समग्र स्वास्थ्य की बात करता है योगासन, प्राणायाम और ध्यान से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, रक्तचाप नियंत्रित होता है और पाचन तंत्र सुधारता है। जिससे हम शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। ध्यान और श्वास की साधना से तनाव, क्रोध, अवसाद और चिंता दूर करके हमें मानसिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है।

योग हमें आत्म-चिंतन और आत्म-ज्ञान की ओर ले जाता है, जिससे जीवन में उद्देश्य और शांति का अनुभव होता है। योग न केवल हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील भी बनाता है। जब मन शांत और जागरूक होता है, तो व्यक्ति पर्यावरण की रक्षा करता है, प्रकृति के संसाधनों का संरक्षण करता है। इस तरह हर व्यक्ति वसुधा के पर्यावरण के प्रति जागरूक होता है। योग के माध्यम न केवल हम अपने से जुड़ते बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और समस्त वैश्विक परिवार से भी जुड़ते हैं जिससे वसुधैव कुटुम्ब की भावना बलवती होती है।

जब व्यक्ति योग के माध्यम से संतुलन में आता है, तो वह समाज में भी सकारात्मक ऊर्जा फैलाता है। एक योगी न हिंसा करता है, न क्रोध करता है, न प्रकृति का दोहन करता है। ऐसे व्यक्ति वैश्विक शांति, करुणा और सह-अस्तित्व के वाहक बनते हैं। यही 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' का मूल संदेश है।

आज की युवा पीढ़ी तकनीक की दुनिया में तनाव, नींद की कमी, मोटापा और मानसिक थकावट से ग्रस्त है। ऐसे में योग उन्हें एक स्थायी समाधान प्रदान करता है। विद्यालयों, कार्यालयों और परिवारों में योग को अपनाकर स्वस्थ भविष्य की नींव रखी जा सकती है। 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' यह विचार न केवल आज की आवश्यकता है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक दिशा भी है। योग से व्यक्ति स्वस्थ होगा, समाज शांत होगा और पृथ्वी संतुलित होगी। आइए, इस योग दिवस पर यह संकल्प लें कि हम योग को अपनाकर पृथ्वी और मानवता दोनों की रक्षा करेंगे।

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

आरोग्य पथ

वर्ष-4, अंक-06 जून, 2025 मासिक ई-पत्रिका

हमारी विरासत

भारतीय विज्ञान और अध्यात्म के अद्वितीय स्तम्भ : महर्षि अगस्त्य

महर्षि अगस्त्य भारतीय संस्कृति, वेदों और पुराणों में एक अत्यंत पूजनीय ऋषि माने जाते हैं। वे सप्तर्षियों में से एक हैं और उन्हें वेदों के प्रचार-प्रसार का महान कार्य करने वाला ऋषि कहा गया। वे और उनकी पत्नी लोपामुद्रा संस्कृत ग्रंथ ऋग्वेद और अन्य वैदिक साहित्य में मंत्र द्रष्टा ऋषि हैं। महर्षि अगस्त्य की गणना उन ऋषियों में होती है जिन्होंने उत्तर भारत से दक्षिण भारत तक वैदिक संस्कृति का विस्तार किया था। पुराणों के अनुसार, वे मुनि पुलस्त्य के पुत्र कहे जाते हैं। उनका जन्म एक कुंभ (घड़े) से हुआ था, इसलिए उन्हें कुंभज भी कहा जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार, जब शिव पार्वती से विवाह करने वाले थे, तब पूरी दुनिया हिमालय का दौरा किया । इससे पृथ्वी एक तरफ झुक गई। तब शिव ने अगस्त्य से संतुलन बहाल करने के लिए दक्षिणी क्षेत्र में जाने का अनुरोध किया। इस प्रकार, अगस्त्य शिव के कहने पर दक्षिण की ओर चले गए। दक्षिण गमन समय उन्होंने विनम्रता से विन्ध्याचल पर्वत को झुका दिया था। इसलिए उनका नाम अगस्त्य पड़ा।

ऋषि अगस्त्य पहले ऐसे ऋषि माने जाते हैं जो उत्तर भारत से दक्षिण भारत गए। उन्होंने संस्कृत के साथ तमिल भी सीखी और तमिल भाषा साहित्य की नींव रखी। तमिल संगम साहित्य के अनुसार, अगस्त्य तमिल व्याकरण के रचयिता भी हैं। महाभारत के वनपर्व में अर्जुन को दिव्यास्त्र प्राप्त करने हेतु अगस्त्य ऋषि से मार्गदर्शन प्राप्त होता है। उन्होंने अर्जुन को आत्मबल और ध्यान के महत्व को बताया रामायण के अनुसार उन्होंने कई असुरों और राक्षसों का संहार किया था, जिनमें से एक प्रमुख नाम इल्वल और वातापी का है, जो ब्राह्मणों को मारते थे। अगस्त्य ऋषि ने अपने तप और आयुर्वेद ज्ञान की शक्ति से उन्हें नष्ट किया।

अगस्त्य ऋषि ने कई वेद मंत्रों की रचना की। ऋग्वेद के अनेक सूक्तों के रचयिता के रूप में उनका नाम आता है। उन्होंने 'अगस्त्य संहिता' नामक ग्रंथ की रचना की जो आयुर्वेद, ज्योतिष और विद्युत (इलेक्ट्रिसिटी) विज्ञान से संबंधित विषयों को छूता है। इस ग्रंथ में जल से बिजली उत्पन्न करने की प्रक्रिया का भी वर्णन मिलता है। इस विद्युत् को उन्होंने मित्रावरुण नाम दिया था। उनको इलेक्ट्रोप्लेटिंग के साथ पानी को हाइड्रोजन और आक्सीजन में बदलने का भी ज्ञान था। महर्षि को आदित्य हृदयम के रचयिता के रूप में श्रेय दिया जाता है, जो सूर्य के लिए स्तुति है जिसे उन्होंने राम को सुनाने के लिए कहा था, ताकि वे रावण के खिलाफ जीत सकें। तमिल ग्रंथ पट्टूप्पट्टू में अगस्त्य को इचाई (संगीत, गीत) का स्वामी बताया गया है।

कालिदास ने अपने रघुवंश में लिखा है कि अगस्त्य ने मदुरै के पांड्य राजा के अश्वमेघ यज्ञ का संचालन किया था। महर्षि अगस्त्य को तमिलनाडु की एक भारतीय मार्शल आर्ट सिलंबम और विभिन्न रोगों के लिए शरीर के मर्म बिंदुओं का उपयोग करके उपचार करने के एक प्राचीन विज्ञान मर्म चिकित्सा का संस्थापक माना जाता है, जिसका उपयोग केरल की एक भारतीय मार्शल आर्ट कलरीपयट्टू के दक्षिणी रूप के चिकित्सकों द्वारा भी किया जाता है।

कहा जाता है कि शिव के पुत्र मुरुगन ने अगस्त्य को मर्म सिखाया था, जिन्होंने फिर इस पर ग्रंथ लिखे और इसे अन्य सिद्धों को दिया। सिद्ध चिकित्सा का जनक भी इन्हें माना जाता है। नाड़ी शास्त्र या नाड़ी ज्योतिष के लेखकों में से एक महर्षि अगस्त्य न केवल एक महापुरुष थे, बल्कि एक महान वैज्ञानिक, समाज सुधारक, योगी और संस्कृति प्रचारक भी थे। उनके कार्यों ने न केवल वैदिक परंपरा को सुरक्षित रखा, बल्कि दक्षिण भारत को वैदिक ज्ञान से परिचित कराया। वे आज भी पूज्यनीय हैं। उनके मंदिर न केवल उत्तर से दक्षिण पूरे भारत में प्राप्त होते हैं अपितु मलेशिया, कम्बोडिया, श्रीलंका, जावा, सुमात्रा आदि देशों में भी पाए जाते हैं। वे भारतीय विज्ञान और अध्यात्म के अद्वितीय स्तम्भ हैं।

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

आरोग्य पथ

पोषक आहार आधारित प्रदर्शनी

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

पोषक आहार आधारित प्रदर्शनी कार्यक्रम में विद्यार्थी एवं शिक्षिकाएं

दिनांकः 02 जून, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के 50 छात्र–छात्राओं ने अपने शिक्षक–शिक्षिकाओं (मिस अन्नू पटेल, मिस ममता, मिस प्रज्ञा मिश्रा, मिस समरीन, मिस निधि राय, मिस शक्ति, मिस श्रद्धा, मिस गरिमा पांडेय, मिस प्रिया पाठक और मिस सृष्टि) के मार्गदर्शन मे कुल 10 समूह (प्रत्येक में 5 विद्यार्थी) में विभिन्न पोषण संबंधी विषयों पर आधारित आहार जैसे कि (गर्भावस्था आहार, विटामिन, युक्त आहार, संतुलित आहार, उच्च रक्तचाप रोकथाम से जुड़े हुए आहार, प्रोटीन युक्त आहार, कैल्शियम युक्त आहार, फाइबर युक्त आहार, आयरन युक्त आहार, ब्लैंड डाइट एवं प्रसवोत्तर) तैयार किए। छात्र–छात्राओं द्वारा तैयार किए गए खाद्य पदार्थों में रागी पोरिज, पालक पराठा, गाजर का हलवा, कद्दू सूप, ब्राउन राइस राजमा, बाजरे की रोटी, मूंग दाल हलवा, पनीर पराठा, पपीते की बर्फी, चुकंदर पराठा, सूजी उपमा और गुड़ गोंद लड्डू शामिल थे।

ये सभी आहार महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर होते है। जैसे–आयरन जो हीमोग्लोबिन निर्माण व एनीमिया की रोकथाम में सहायक होता है (विशेषकर किशोरावस्था व गर्भवती महिलाओं के लिए) कैल्शियम, जो हड्डियों की मजबूती के लिए आवश्यक है (बच्चों, स्तनपान कराने वाली माताओं और बुजुर्गों के लिए), प्रोटीन, जो शरीर की वृद्धि, ऊतकों की मरम्मत और मांसपेशियों के विकास में सहायक होता है, विटामिन, जो दृष्टि, रोग प्रतिरोधक क्षमता और त्वचा के लिए आवश्यक है, फाइबर, जो पाचन तंत्र को सुचारु रखने में मदद करता है, तथा ऊर्जा देने वाले तत्व जैसे कि जटिल कार्बोहाइड्रेट और अच्छे वसा।

ये पोषक तत्व विभिन्न आयु वर्गों और शारीरिक अवस्थाओं (जैसे गर्भावस्था, प्रसवोत्तर अवधि, किशोरावस्था, उच्च रक्तचाप वाले रोगी एवं वृद्धजन) के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

यह कार्यक्रम छात्रों के लिए बहुत उपयोगी रहा, जिससे उन्हें पोषण के व्यावहारिक ज्ञान, रोग अनुसार आहार योजना, रोगी शिक्षा, समूह कार्य तथा प्रस्तुति कौशल का अनुभव प्राप्त हुआ। प्रत्येक समूह ने पोस्टर और चार्ट के माध्यम से अपने बनाए गए आहार की पोषणीय गुणवत्ता का प्रस्तुतीकरण किया।

यह आयोजन न केवल शैक्षणिक रूप से लाभकारी रहा, बल्कि छात्रों के लिए एक समृद्ध और प्रेरणादायक अनुभव भी सिद्ध हुआ।

पोषक आहार आधारित प्रदर्शनी

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

पोषण संबंधी प्रोग्राम में विद्यार्थी एवं शिक्षिकाएं

दिनांकः 03 जून, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के 50 छात्र–छात्राओं ने अपने शिक्षक–शिक्षिकाओं (मिस साक्षी गुप्ता, मिस ज्योति, मिस निधि पासवान, मिस नैन्सी मिश्रा, मिस मानशी, मिस प्राची, मिस विनीता, मिस सिमरन, मिस दीपनजलि और मिस गरिमा चौधरी) के मार्गदर्शन में विभिन्न पोषण संबंधी विषयों पर आधारित आहार पोषण प्रयोगशाला में तैयार कर प्रस्तुत किए।

इस कार्यक्रम में कुल 10 समूहों ने भाग लिया, प्रत्येक समूह में 5 छात्र–छात्राए थे, जिन्होंने विभिन्न

चिकित्सीय आहारों को विशेष स्वास्थ्य आवश्यकताओं के आधार पर तैयार किया।

कार्यक्रम में एनीमिया के लिए पालक पराठा, राजमा मसाला और चुकंदर जूस जैसे आयरन युक्त आहार तैयार किए गए जो विशेष रूप से किशोरियों और गर्भवती महिलाओं के लिए लाभकारी हैं, डायबिटिक मरीजों के लिए ब्राउन राइस, मूंग दाल और करेला जैसे आहार, जो वयस्कों और बुजुर्गों के लिए उपयुक्त हैं, वजन नियंत्रण हेतु कम कार्बोहाइड्रेट युक्त खीरा सलाद और टमाटर सूप और गुर्दा रोगियों के लिए उपयुक्त कम प्रोटीन आहार जैसे सूजी उपमा और संतरा जूस प्रस्तुत किए गए।

स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पंजीरी लड्डू और मिक्स दाल जैसे ऊर्जावान और पोषण युक्त भोजन बनाए गए, जबकि नारियल पानी, नींबू पानी और छाछ जैसे पेय पदार्थ सभी आयु वर्गों के लिए जल की कमी को पूरा करने हेतु उपयोगी रहें। कम वसा वाले आहार जैसे स्प्राउट सलाद और चिया सीड शेक हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं और क्रोनिक किडनी डिज़ीज़ से ग्रसित मरीजों के लिए आलू–सब्ज़ी, प्याज पराठा आदि भोजन तैयार किए गए।

शिशुओं के लिए पूरक आहार जैसे रागी खिचड़ी, केला शेक और मैश आलू में कैल्शियम, आयरन और कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में थे, वहीं मोटापे को नियंत्रित करने हेतु ओट्स खिचड़ी, मखाना चाट और फलों की चाट जैसे लो कैलोरी आहार प्रस्तुत किए गए। इन सभी भोजन में आवश्यक पोषक तत्व जैसे आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और इलेक्ट्रोलाइट्स भरपूर मात्रा में उपलब्ध थे। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए बहुत उपयोगी रहा, जिससे उन्हें पोषण के व्यावहारिक ज्ञान, रोग अनुसार आहार योजना, रोगी शिक्षा, समूह कार्य तथा प्रस्तुति कौशल का अनुभव प्राप्त हुआ। प्रत्येक समूह ने पोस्टर और चार्ट के माध्यम से अपने बनाए गए आहार की पोषणीय गुणवत्ता का प्रस्तुतीकरण किया।

यह आयोजन न केवल शैक्षणिक रूप से लाभकारी रहा, बल्कि छात्रों के लिए एक समृद्ध और प्रेरणादायक अनुभव भी सिद्ध हुआ।

पौधरोपण कार्यक्रम

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विश्व पर्यावरण दिवस एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के जन्मदिवस पर विश्वविद्यालय में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम

दिनांकः 05 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के स्वयंसेवकों द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री, परम पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के जन्मदिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने पौधे लगाकर प्रकृति के संरक्षण के साथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं यशस्वी मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश परमपूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के स्वस्थ दीर्घायु जीवन की कामना किया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह जी ने माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के जन्मदिवस और विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम सभी को उनके जीवन लक्ष्य से प्रेरणा ग्रहण करना चाहिए, आज पूरा विश्व पर्यावरण की समस्या से जूझ रहा है पर्यावरण संतुलन और प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए जरूरी है कि हम अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करने का संकल्प लें। हमारे पुराणों में उल्लेखित है कि एक वृक्ष दस पुत्र के समान होता हैं।

पौधारोपण कार्यक्रम में श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने स्वयंसेवकों को 'प्लास्टिक का प्रयोग न करने एवं नशा मुक्त समाज निर्माण' और पर्यावरण संरक्षण का शपथ दिलायी और कहा कि पेड़ों के अंधाधुंध कटाव से धरती वृक्षहीन होती जा रही है जन–जन को एक–एक वृक्ष लगाने के प्रयास करना चाहिए। यह आयोजन न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, बल्कि

युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी उत्पन्न करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान करने की पहल हमें करनी होगी जिससे भविष्य में आने वाले पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण दिया जा सके। विश्वविद्यालय के सभी स्वयंसेवकों से एक आग्रह किया कि एक पेड़ अपनी मां के नाम पर अपने घर या अपने आस पास लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प ले।

राष्ट्रीय कैडेट कोर के एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पेड़ प्रकृति का छाता है अगर इसे हमने काट दिया तो प्रकृति की छांव से पूरी धरती वीरान हो जाएगी। प्रकृति के प्रति हमें संवेदनशील होना होगा। जमीनी स्तर पर हमें पौधारोपण करना होगा नहीं तो प्रकृति के कोप दुष्परिणाम से हमारे भावी पीढ़ी को झेलना होगा। आयोजन प्रमुख रूप से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के निर्देशन में संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की अधिष्ठाता डॉ. डीएस अजीथा, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील सिंह, पैरामेडिकल के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. मिनी के. डॉ. धीरेन्द्र सिंह, डॉ. प्रेरणा अदिति, सृष्टि यदुवंशी, सुश्री रश्मि शाही, अनुकृति राज, कार्यक्रम अधिकारी श्रीनाथ आर., वैशाख आर., श्री साध्वी नन्दन पाण्डेय, श्री अनिल कुमार पटेल, श्री धीरज कुमार, श्रीमती रश्मि झा, कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। वृक्षारोपण करने वाले प्रमुख स्वयंसेवकों में आयुषी पाण्डेय, हर्षिता सिंह, साक्षी, राज साहनी, जानवी मिश्रा, निखिल, नितिन, नंदिनी, सौरभ, अंशिका राय, आकृति सिंह, नंदिनी तिवारी, सृष्टि दूबे, प्रशांत, करन भारती, आयुषी, आरती, किशन अनुराग, सुमित, उर्मिला नेंना, कैडेट अर्पिता राय, शिखर पाण्डेय, अभिषेक मिश्रा, खुशी गुप्ता, सागर जायसवाल इत्यादि शामिल रहें।

सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल

ओंकारनगर गांव में सामुदायिक स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करती नर्सिंग की छात्राएं

दिनांकः 10 जून, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत जीएनएम तृतीय वर्ष के 25–25 छात्राओं ने सामुदायिक क्षेत्र ओंकारनगर गाँव में 'सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम' आयोजित किया, जिसका सफल संचालन मिस ज्ञानांजनी, मिस सुमिता एवं मिस कविता के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम के दो मुख्य विषय थे– 'सड़क दुर्घटना की रोकथाम' और 'मासिक धर्म स्वच्छता'। छात्राओं ने सड़क दुर्घटनाओं की परिभाषा देते हुए समझाया कि यह एक ऐसी अप्रत्याशित घटना होती है जो सड़क पर यातायात नियमों की अनदेखी, नशे में वाहन चलाना, तेज गति और हेलमेट या सीट बेल्ट का उपयोग न करने जैसी लापरवाहियों के कारण होती है। इसके बचाव हेतु छात्राओं ने रोल प्ले के माध्यम से दर्शाया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन, यातायात संकेतों को समझना, नियमित वाहन जांच, मोबाइल का प्रयोग न करना आदि उपायों से दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। दूसरा विषय मासिक धर्म स्वच्छता पर आधारित था जिसमें छात्राओं ने पोस्टर प्रजेंटेशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों को यह बताया कि मासिक धर्म के दौरान साफ–सफाई न रखने से संक्रमण, यूरीन इन्फेक्शन, सर्वाइकल कैंसर जैसी बीमारियाँ हो सकती हैं। उन्होंने उचित नैपकिन का प्रयोग, समय पर बदलाव, हाथों की सफाई के महत्व को सरल भाषा में समझाया।

इस कार्यक्रम से ग्रामीणों को न केवल सड़क दुर्घटनाओं से बचाव की जानकारी मिली, बल्कि महिलाओं और लड़कियों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी प्राप्त हुई।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य था लोगों को बीमारियों से बचने के उपाय और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना। अंत में, इस कार्यक्रम की नैतिक शिक्षा के बारे में बताते हुए कहा कि 'सड़क सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वच्छता एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज की बुनियाद हैं–खुद भी जागरूक बनें और दूसरों को भी जागरूक करें।'

शैक्षणिक भ्रमण

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्राएं

दिनांकः 10 जून, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत एएनएम प्रथम वर्ष के 50 छात्राओं ने अपनी शिक्षाकाओं मिस प्रिया सिंह एवं मिस ज्योति के मार्गदर्शन में दो महत्वपूर्ण स्थलों–जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र जो सनसिटी हॉस्पिटल के पास, राप्तीनगर तथा जल शुद्धिकरण जो एआरयू/एफआरयू सौर संयंत्र ग्राम पंचायत–गौरीमंगलपुर खास, ब्लॉक–खोराबार के पास स्थित है उसका शैक्षणिक भ्रमण किया। छात्राओं को प्रयोगशाला का उन्मुखीकरण श्री अखिल आनंद (कार्यकारी अभियंता एवं प्रमुख, प्रयोगशाला) द्वारा कराया गया, तथा उसकी जानकारी देते हुए उन्होंने बताया की जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र को 1989 में आयोजित किया गया था।

उसके बाद छात्राओं ने पीने के पानी की गुणवत्ता की जाँच की प्रक्रिया को समझा। उन्होंने बताया कि इस केंद्र पर कुल 7 कर्मचारी कार्यरत हैं और इसमें तीन मुख्य प्रयोगशालाएं हैं। इंस्ट्रूमेंट लैब, टेस्टिंग हॉल एवं माइक्रो लैब।

भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जल नमूनों की जाँच प्रक्रिया देखीए जिसे 37 पर 24 घंटे के लिए इनक्यूबेट किया जाता है ताकि उसमें ई. कोलाई या कॉलिफॉर्म जीवाणुओं की उपस्थिति की पुष्टि की जा सके।

इस परीक्षण में मैकॉन्की ब्रोथ नामक रासायनिक पदार्थ का उपयोग किया जाता है। उन्होंने जल गुणवत्ता परीक्षण से जुड़े महत्व और लाभ के बारे में भी बताया तथा छात्राओं ने यह जाना कि जलजनित रोगों की रोकथाम में सूक्ष्मजीव परीक्षण कितना आवश्यक है। इसके बाद छात्राओं ने 2017 में स्थापित जल शुद्धिकरण केंद्र का दौरा किया, जहाँ प्रतिदिन 5000 लीटर जल शुद्ध किया जाता है।

उन्होंने अवसादन, निस्यंदन (फिल्ट्रेशन) एवं क्लोरीनीकरण जैसी प्रक्रियाओं को देखा जो पानी को पीने योग्य बनाती हैं। इस शैक्षणिक भ्रमण से छात्राओं को यह समझने का अवसर मिला कि स्वच्छ पेयजल और समय पर जल परीक्षण समुदाय के स्वास्थ्य के लिए कितना आवश्यक है।

शैक्षणिक भ्रमण

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

जल शोधन की जानकारी लेती छात्राएं

दिनांकः 11 जून, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत एएनएम प्रथम वर्ष के शेष 50 छात्राओं ने अपनी शिक्षाकाओं मिस प्रिया सिंह एवं श्रीमती सुमिता के मार्गदर्शन में दो महत्वपूर्ण स्थलों जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र जो सनसिटी हॉस्पिटल के पास, राप्तीनगर तथा जल शुद्धिकरण जो एआरयू/एफआरयू सौर संयंत्र, ग्राम पंचायत–गौरीमंगलपुर खास, ब्लॉक–खोराबार के पास स्थित है उसका शैक्षणिक भ्रमण किया तथा एएनएम प्रथम वर्ष के 25 छात्राओं द्वार सिक्टौर बाजार, ओमप्रकाश नगर, गोरखपुर में डेंगू बुखार पर पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से जन स्वास्थ्य शिक्षा दी गई।

छात्राओं को प्रयोगशाला का उन्मुखीकरण श्री अखिल आनंद (कार्यकारी अभियंता एवं प्रमुख, प्रयोगशाला) द्वारा कराया गया, तथा उसकी जानकारी देते हुए उन्होंने बताया की जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र को 1989 में आयोजित किया गया था। उसके बाद छात्राओं ने पीने के पानी की गुणवत्ता की जाँच की प्रक्रिया को समझा।

उन्होंने बताया कि इस केंद्र पर कुल 7 कर्मचारी कार्यरत हैं और इसमें तीन मुख्य प्रयोगशालाएँ है। इंस्ट्रूमेंट लैब, टेस्टिंग हॉल एवं माइक्रो लैब।

भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जल नमूनों की जाँच प्रक्रिया देखी, जिसे 37 पर 24 घंटे के लिए इनक्यूबेट किया जाता है ताकि उसमें ई कोलाई या कॉलिफॉर्म जीवाणुओं की उपस्थिति की पुष्टि की जा सके। इस परीक्षण में मैकॉन्की ब्रोथ नामक रासायनिक पदार्थ का उपयोग किया जाता है। उन्होंने जल गुणवत्ता परीक्षण से जुड़े महत्व और लाभ के बारे में भी बताया तथा छात्राओं ने यह जाना

कि जलजनित रोगों की रोकथाम में सूक्ष्मजीव परीक्षण कितना आवश्यक है। इसके बाद छात्राओं ने 2017 में स्थापित जल शुद्धिकरण केंद्र का दौरा किया, जहाँ प्रतिदिन 5000 लीटर जल शुद्ध किया जाता है।

उन्होंने अवसादन, निस्यंदन (फिल्ट्रेशन) एवं क्लोरीनीकरण जैसी प्रक्रियाओं को देखा जो पानी को पीने योग्य बनाती हैं। इस शैक्षणिक भ्रमण से छात्राओं को यह समझने का अवसर मिला कि स्वच्छ पेयजल और समय पर जल परीक्षण समुदाय के स्वास्थ्य के लिए कितना आवश्यक है।

साथ ही एएनएम प्रथम वर्ष के 25 छात्राओं द्वारा चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से डेंगू बुखार के बारे में जन स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गई तथा लोगों को जागरूक किया और बताया की डेंगू एक वायरल बुखार है जो संक्रमित, डीज़ मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर दिन में काटता है और साफ़ पानी में पनपता है डेंगू मच्छर साफ़ रुके हुए पानी में अंडे देता है। जैसे कूलर, टायर, फूलदान, बाल्टी, टंकी आदि। यह मच्छर सूरज निकलने और डूबने के समय अधिक सक्रिय होता है मच्छर के काटने से वायरस शरीर में प्रवेश करता है।

डेंगू के लक्षण जैसे की तेज़ बुखार सिर में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, उल्टी या मिचली, त्वचा पर चकत्ते, नाक या मसूड़ों से खून आना (गंभीर स्थिति में), प्लेटलेट्स की संख्या घट जाना डेंगू का कोई विशेष इलाज नहीं है, लेकिन लक्षणों के अनुसार इलाज होता हैं। भरपूर पानी और तरल पदार्थ पिएं, पेरासिटामॉल लें ज़रूरत हो तो अस्पताल में भर्ती कराना चाहिए और मच्छर से बचाव के लिये शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें, मच्छरदानी का प्रयोग करें, मच्छर भगाने वाली क्रीम या क्वायल लगाएं मच्छर को पनपने से रोकें हर सप्ताह 'ड्राइ डे' मनाएं (सभी पानी जमा करने वाले बर्तनों को खाली करें) कूलर, फूलदान, टंकी आदि को साफ करें, टूटे बर्तन आदि में पानी जमा न होने दें।

छात्राओं ने डेंगू जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय को स्वास्थ्य शिक्षा देने का महत्व तथा डेंगू की रोकथाम, लक्षणों की पहचान और सामुदायिक सहभागिता की भूमिका को भी अच्छी तरह समझा।

आपातकालीन अग्निशमन मॉकड्रिल एवं स्वास्थ्य जागरूकता

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

आपातकालीन अग्निशमन मॉकड्रिल एवं स्वास्थ्य जागरूकता के दौरान नर्सिंग की छात्राएं

दिनांक: 12 जून, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत एएनएम प्रथम वर्ष के कुल 50 छात्राओं ने दो समूह में अपनी शिक्षिकाओं (मिस साक्षी प्रजापति और मिस ज्योति वर्मा) के मार्गदर्शन में सिक्टौर बाजार, बाबापुरवा टोला, गोरखपुर में स्थित सामुदायिक क्षेत्र में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

उन्होंने रोल प्ले, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से पर्यावरण स्वच्छता और मधुमेह के बारे में लोगो को जागरूक किया और बताया की डायबिटीज़ एक पुरानी बीमारी है जिसमें शरीर या तो पर्याप्त इंसुलिन नहीं बनाता, या फिर उसे ठीक से उपयोग नहीं कर पाता, जिससे रक्त में ग्लूकोज़ (शुगर) की मात्रा बढ़ जाती है, डायबिटीज़ के दो प्रकार होते हैं टाइप 1 डायबिटीज़ शरीर इंसुलिन बनाना बंद कर देता है (अधिकतर बच्चों में) टाइप 2 डायबिटीज़ में शरीर इंसुलिन का सही उपयोग नहीं कर पाता (अधिकतर वयस्कों में) गर्भावधि मधुमेह गर्भावस्था के दौरान होता है लक्षण जैसा की बार–बार पेशाब आना, अत्यधिक प्यास लगना, वजन घटना, थकावट महसूस होना, घाव धीरे भरना, आंखों की रोशनी कमजोर होना डायबिटीज़ का कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन इसे नियंत्रित किया जा सकता है समय पर इलाज न लेने पर हृदय रोग, किडनी खराब होना, अंधापन और पैर कटने जैसी जटिलताएँ हो सकती हैं परिवार में यदि किसी को डायबिटीज़ है, तो दूसरों को भी जोखिम हो सकता है इसके बाद पर्यावरण स्वच्छता के महत्व समझाते हुए बताया की पर्यावरणीय स्वच्छता का उद्देश्य लोगों को साफ–सफाई के महत्व के बारे में जागरूक करना, बीमारियों की रोकथाम करना जैसे डायरिया, मलेरिया, डेंगू आदि स्वच्छ और सुरक्षित जीवनशैली को बढ़ावा देना, समुदाय को अपने पर्यावरण

की सफाई में भागीदार बनाना, बच्चों और बुजुर्गों को विशेष रूप से सुरक्षित रखना हाथ धोने की आदत को अपनाना चाहिए, शौच के बाद, खाना खाने से पहले, कचरा उठाने के बाद, साबुन से कम से कम 20 सेकंड तक हाथ धोएं, स्वच्छ जल का उपयोग, पानी को उबालकर या फिल्टर करके पिएं, पीने का पानी ढककर रखें, शौचालय का उपयोग, खुले में शौच न करें, साफ और सुरक्षित शौचालय का इस्तेमाल करें, कचरे का सही निपटान, सूखा और गीला कचरा अलग–अलग रखें, कूड़े को जलाएं नहीं, खाद बनाएं, मच्छर और कीड़ों की रोकथाम, घर और आसपास पानी जमा न होने दें, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करे।

सामूहिक सफाई अभियान, सप्ताह में एक दिन गाँव या मोहल्ले की सफाई करें बच्चों को स्कूलों में सफाई की शिक्षा दे, साथ ही नर्सिंग विभाग में आपातकालीन अग्नि मॉक ड्रिल का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया।

इस कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज के सभी विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य सक्रिय रूप से शामिल हुए। इस ड्रिल का उद्देश्य आग लगने की स्थिति में सुरक्षा उपायों और आपातकालीन निकासी प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता फैलाना था। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक मॉक ड्रिल का प्रदर्शन किया।

जो अग्निशमन कर्मियों और संकाय सदस्यों की निगरानी में किया गया। उन्होंने आग लगने की स्थिति में कैसे प्रतिक्रिया दी जाती है, भवन से सुरक्षित निकासी कैसे की जाती है और अग्निशमन यंत्रों का प्रयोग कैसे किया जाता है, इसका अभ्यास किया।

इस व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह सीखा कि आपातकाल में शांत रहना, टीम भावना से कार्य करना, निकासी मार्ग पहचानना तथा विभिन्न प्रकार के अग्निशमन यंत्रों का सही उपयोग करना कितना आवश्यक है।

यह कार्यक्रम ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा, जिससे आग जैसी आपदा की स्थिति में तत्परता और सही प्रतिक्रिया के महत्व को समझाया गया।

शैक्षणिक भ्रमण

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

दिनांक: 13 जून, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत जीएनएम प्रथम वर्ष के शेष 50 छात्राओं ने अपनी शिक्षाकाओं मिस कविता साहनी एवं मिस नीतू यादव के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण स्थल जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र जो सनसिटी हॉस्पिटल के पास राप्तीनगर, ग्राम पंचायत गौरी मंगलपुर खास, ब्लॉक–खोराबार के पास स्थित है उसका शैक्षणिक भ्रमण किया।

छात्राओं को प्रयोगशाला का उन्मुखीकरण श्री अखिल आनंद (कार्यकारी अभियंता एवं प्रमुख, प्रयोगशाला) द्वारा कराया गया, तथा उसकी जानकारी देते हुए उन्होंने बताया की जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र को 1989 में आयोजित किया गया था।

उसके बाद छात्राओं ने पीने के पानी की गुणवत्ता की जाँच की प्रक्रिया को समझा। उन्होंने बताया कि इस केंद्र पर कुल 7 कर्मचारी कार्यरत हैं और इसमें तीन मुख्य प्रयोगशालाएँ हैं। इंस्ट्रूमेंट लैब, टेस्टिंग हॉल एवं माइक्रो लैब। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जल नमूनों की जाँच प्रक्रिया देखी, जिसे 37 पर 24 घंटे के लिए इनक्यूबेट किया जाता है ताकि उसमें ई. कोलाई या कॉलिफॉर्म जीवाणुओं की उपस्थिति की पुष्टि की जा सके।

इस परीक्षण में मैकॉन्की ब्रोथ नामक रासायनिक पदार्थ का उपयोग किया जाता है। उन्होंने जल गुणवत्ता परीक्षण से जुड़े महत्व और लाभ के बारे में भी बताया तथा छात्राओं ने यह जाना कि जलजनित रोगों की रोकथाम में सूक्ष्मजीव परीक्षण कितना आवश्यक है।

इस शैक्षणिक भ्रमण से छात्राओं को यह समझने का अवसर मिला कि स्वच्छ पेयजल और समय पर जल परीक्षण समुदाय के स्वास्थ्य के लिए कितना आवश्यक है।

प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों का चयन

कृषि संकाय

अन्तर्राष्ट्रिय चावल शोध संस्थान में प्रशिक्षण (ईरी) हेतु चयनित कृषि संकाय के विद्यार्थी

दिनांकः 15 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय के स्नातक कृषि आनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन ईरी अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है।

यह जानकारी देते हुए कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने बताया कि ईरी में कृषि संकाय के विद्यार्थियों का चयन एक संकाय के लिए एक उपलब्धि है व विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट अकादमिक परिवेश को प्रतिबिम्बित करता है।

ईरी के विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन के उपरांत 13 विद्यार्थी चयनित हुए हैं जिनमें स्नातक कृषि तृतीय वर्ष के अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, अनुभव व अनुभव पाण्डेय के नाम शामिल हैं।

ईरी विश्व की अग्रिम संस्थाओं में से एक है जो चावल शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही है। यह संस्था मुख्य रूप से शिक्षा, नवाचार और विकास अनुसंधान केंद्र चावल मूल्य संवर्धन उत्कृष्टता केंद्र एवं सतत कृषि उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत विज्ञान, नेतृत्व और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है, साथ ही जलवायु–अनुकूल और पोषण–समृद्ध चावल के भिभिन्न किस्मों के प्रजनन, स्वस्थ्य बीज प्रणालियों के माध्यम से नई किस्मों का विकास, मृदा स्वास्थ्य, जल उत्पादकता और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने में सुविधा प्रदान करने एवं अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और उन्नत वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग करते हुए चावल की गुणवत्ता और बेहतर पोषण प्राप्त करने के लिए अनुसंधान का संचालन करता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2025

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

बच्चों को योगाभ्यास कराती छात्राएं

दिनांकः 15 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2025 की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा योग सप्ताह के अंतर्गत जनहित एवं जागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया।

हरित योग कार्यक्रम–ग्राम दुर्गापुर में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना की मैत्रेई इकाई द्वारा ग्राम दुर्गापुर में हरित योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य योग, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से ग्रामवासियों में 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की भावना को जागृत करना रहा।

प्रमुख गतिविधियो में 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' वृक्षारोपण अभियानः स्वयंसेवक अमृता, मेराज, अंकित, समीक्षा, रितिका, प्रियंका, यशोदा एवं अंकिता मणि त्रिपाठी ने ग्राम में वृक्षारोपण कर पर्यावरणीय संतुलन और हरित जीवनशैली को प्रोत्साहित किया।

स्वच्छता जागरूकता अभियानः संयोगिता, अंजलि, खुशी, अभिषेक करना, अरविन्द, काम्या एवं लक्ष्मी के नेतृत्व में ग्रामवासियों को स्वच्छता, साफ जल और पर्यावरणीय स्वच्छता के महत्व पर जागरूक किया गया।

'योग जागरूकता सत्रः स्वयंसेविकाएं एकता, अर्पिता, साम्भवी एवं अंशिका द्वारा योग, प्राणायाम, ध्यान तथा जीवनशैली सुधार की जानकारी दी गई। साथ ही सभी ग्रामवासियों को आगामी 21 जून 2025 को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सहभागिता हेतु आमंत्रित किया गया।

संपूर्ण कार्यक्रम मैत्रेई इकाई

की। कार्यक्रम अधिकारी सुश्री गरिमा पाण्डेय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

योग सत्र– आयुर्वेद संकाय पंचकर्म ऑडिटोरियम गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान, आयुर्वेद संकाय में आयोजित योग सत्र के अंतर्गत बीएएमएस के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह सत्र प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. वैशाख आर, डॉ. धन्या नायर एवं योगाचार्य चंद्रजीत यादव के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। सत्र में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कर योग के मानसिक, शारीरिक एवं आध्यात्मिक लाभों को आत्मसात किया। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही। योग से स्वस्थ तन, स्वच्छ पर्यावरण से स्वस्थ मन मिलकर रचें 'एक धरती, एक स्वास्थ्य' इन दोनों आयोजनों ने न केवल विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को बल्कि स्थानीय समुदाय को भी योग, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व से जोड़ा।

योग प्रशिक्षण शिविर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

योगाभ्यास के दौरान विद्यार्थी

दिनांकः 15 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, सोनबरसा गोरखपुर में पंचकर्म योगा हॉल में एक सप्ताह तक चलने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस–2025 समारोह का उद्घाटन किया गया।

छात्रावास के छात्रों को योग गुरु डॉ. वैसाख आर. और श्री चंद्रजीत यादव द्वारा कॉमन योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दिया गया है।

गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान – आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की घोषणा के 10 वर्ष पूरे होने पर योगसंगम के तहत योग प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए छात्रावास में रहने वाले सभी छात्रों का स्वागत किया है।

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. धन्या नायर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। एमजीयूजी के छात्रावास के छात्रों ने प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

आईवाईडी 2025 के हिस्से के रूप में जीजीआईएमएस और एमजीयूजी शुक्रवार तक रोजाना कॉमन योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण आयोजित कर रहे है।

संगोष्ठी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

संगोष्ठी के दौरान डॉ. जी.एस. तोमर जी को सम्मानित किया गया

दिनांकः 16 जून, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 16 जून 2025 को सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस संगोष्ठी का आयोजन विश्व आयुर्वेद मिशन एवं एमिल फार्मास्युटिकल्स के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। संगोष्ठी का प्रमुख विषय था। 'लाइफस्टाइल रोगों का प्रबंधन एक समग्र दृष्टिकोण।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं भगवान धन्वंतरि वंदना के साथ हुई। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एवं कुलसचिव महोदय द्वारा संगोष्ठी के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि सरकार द्वारा इस अभिनव प्रयास को श्योग संगम' के रूप में मान्यता प्राप्त है। संस्थान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 उत्सव सप्ताह के भाग के रूप में सेमिनार का आयोजन किया गया है।

मुख्य अतिथि डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज ने अपने व्याख्यान में बताया कि आयुर्वेद एक अत्यंत वैज्ञानिक एवं समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने वाला चिकित्सा विज्ञान है, जो आज की जीवनशैली जनित व्याधियों के प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी हो सकता है।

उन्होंने आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए 'योग–संगम' की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद और योग का समन्वय आज की स्वास्थ्य समस्याओं का प्रभावी समाधान प्रस्तुत कर सकता है।

उन्होंने इन्टीग्रेटिव विजडम की आवश्यकता पर बल देते हुए

कहा कि आयुर्वेद, एलोपैथी, आयुर्जेनोमिक्स तथा आधुनिक अनुसंधान के समन्वय से ही एक सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि पारंपरिक भारतीय खानपान और आयुर्वेदिक जीवनशैली आधुनिक युग में मार्गदर्शक सिद्ध हो सकती हैं, विशेषकर कैंसर जैसी बीमारियों की रोकथाम में।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने उद्बोधन में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य ये त्रय उपस्तंभ हैं, जिनकी उपेक्षा वर्तमान समय की अधिकांश व्याधियों का मूल कारण है। उन्होंने कहा कि 'अत्यधिक भोजन ही सभी रोगों की जड़ है' और भारतीय संस्कृति में रसोईघर की भूमिका को समझना अत्यावश्यक है।

उन्होंने बताया कि 80 प्रतिशत रोग केवल उचित इतिहास लेखन से ही पहचाने जा सकते हैं। उन्होंने तम्बाकू युक्त गुटका छुड़ाने के लिए हर्बल गुटका के निर्माण का भी उल्लेख किया जिसमें सौंफ, दालचीनी, काली मिर्च एवं इलायची जैसे औषधीय घटक सम्मिलित हैं, जो मुँह के कैंसर की रोकथाम में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। डॉ. तोमर ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी चिकित्सा पद्धति की आलोचना न करते हुए सभी पद्धतियों को पूरक रूप में अपनाया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि आयुर्वेद कीमोथैरेपी एवं रेडियोथैरेपी के दुष्प्रभावों को भी कम करने में सक्षम है। उन्होंने मधुमेह (डायबिटीज) के नियंत्रण में आयुर्वेद, पथ्य एवं जीवनचर्या की भूमिका को भी प्रभावशाली बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ. संचित शर्मा, निदेशक, एमिल फार्मास्युटिकल्स ने 'जीवनशैली विकारों का प्रबंधन डायबिटीज, हाइपरलिपिडेमिया एवं किडनी रोग' विषय पर सविस्तार जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमिल कंपनी आयुर्वेद के एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से कार्य कर रही है और अनेक गंभीर रोगों के समाधान हेतु आयुर्वेदिक औषधियों का नवाचार कर रही है।

उन्होंने भारत में डायबिटीज की भयावह स्थिति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान में देश में 100 मिलियन से अधिक लोग डायबिटीज या प्रीडायबिटीज से ग्रसित हैं, जिनमें से 15.20 प्रतिशत में क्रॉनिक किडनी डिज़ीज़ विकसित हो जाती है और 54 प्रतिशत में इंसुलिन सहनशीलता की समस्या देखी जाती है।

उन्होंने बताया कि डायबिटीज से हर वर्ष 3.4 मिलियन लोगों की मृत्यु होती है और भारत को 'डायबिटीज की राजधानी' कहा जाने लगा है। उन्होंने बीजीआर–34 आयुर्वेदिक औषधि का उल्लेख किया जो ग्लूकोज को नियंत्रित करने में सहायक है और जिसमें 34 औषधीय घटक शामिल हैं। उन्होंने दूसरी प्रमुख औषधि एमरी प्लस का भी उल्लेख किया। जो एंटीहाइपरग्लायसेमिक होने के साथ–साथ महत्वपूर्ण अंगों के लिए टॉनिक का कार्य करती है और इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने में भी सहायक है।

यह संगोष्ठी आयुर्वेद, योग और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय से जनस्वास्थ्य को एक समग्र दिशा प्रदान करने वाला अत्यंत प्रभावी एवं प्रेरणादायक मंच सिद्ध हुई। वक्ताओं ने यह स्पष्ट किया कि केवल औषधि नहीं, अपितु समग्र जीवनशैली सुधार ही दीर्घकालिक स्वास्थ्य का मूलमंत्र है।

कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन क्रिया शरीर विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवोदय राजू द्वारा प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान सत्र में सम्बद्ध विश्वविद्यालय के आयुर्वेद विभाग के प्राचार्य, समस्त आचार्यगण एवं छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर

गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए डॉ. जी. एस. तोमर

दिनांकः 16 जून, 2025 को महंत दिग्विजय नाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जी एस तोमर द्वारा 147 रोगियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया। इनमें अधिकांश रोगी गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास रोग एवं लिवर डिसीजेज के मिले। रोगियों को औषधियों के साथ–साथ खान–पान एवं योगासनों की जानकारी भी प्रदान की गई।

इस अवसर पर रोगियों की मुफ्त बीएमडी जाँच भी की गई। डॉ. तोमर ने बताया कि खानपान की अनियमितता के साथ–साथ व्यायाम रहित आरामतलब जीवनशैली से वृद्धों में ही नहीं युवाओं में भी गठिया का प्रकोप निरंतर बढ़ रहा है।

उन्होंने बताया कि उत्पादक वय वर्ग के लोगों के इससे ग्रस्त होने से देश की उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव डाल रही है। इसका सीधा प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

इससे बचने के लिये हमें स्वस्थ जीवनशैली एवं आहार विहार की जानकारी जन–जन तक पहुँचानी होगी ।

आरोग्य पथ

शैक्षणिक भ्रमण — फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

क्षेत्रीय जलशोधन प्रयोगशाला में नर्सिंग की छात्राएं

दिनांकः 17 जून, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत बेसिक बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर के 50 छात्राओं ने अपनी शिक्षाकाओं मिस गरिमा पांडे एवं मिस मानसी के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय जल परीक्षण प्रयोगशाला राप्ती नगर फेज–1 गोरखपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया।

छात्राओं को प्रयोगशाला का उन्मुखीकरण श्री अखिल आनंद (कार्यकारी अभियंता एवं प्रमुख, प्रयोगशाला) द्वारा कराया गया, तथा उसकी जानकारी देते हुए उन्होंने बताया की जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र को 1989 में आयोजित किया गया था। उसके बाद छात्राओं ने पीने के पानी की गुणवत्ता की जाँच की प्रक्रिया को समझा।

उन्होंने बताया कि इस केंद्र पर कुल 7 कर्मचारी कार्यरत हैं और इसमें तीन मुख्य प्रयोगशालाएँ है इंस्ट्रूमेंट लैब, टेस्टिंग हॉल एवं माइक्रो लैब। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जल नमूनों की जाँच प्रक्रिया देखीए जिसे 34 पर 24 घंटे के लिए इनक्यूबेट किया जाता है ताकि उसमें ई. कोलाई या कॉलिफॉर्म जीवाणुओं की उपस्थिति की पुष्टि की जा सके।

इस परीक्षण में मैकॉन्की ब्रोथ नामक रासायनिक पदार्थ का उपयोग किया जाता है। उन्होंने जल गुणवत्ता परीक्षण से जुड़े महत्व और लाभ के बारे में भी बताया तथा छात्राओं ने यह जाना कि जलजनित रोगों की रोकथाम में सूक्ष्मजीव परीक्षण कितना आवश्यक होता है।

योग शिविर : योगासन प्रतियोगिता — गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

दिनांकः 18 जून, 2025 को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज पंचाकर्मा सभागार में योग शिविर के तृतीय दिवस पर योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतियोगिता में माणिक्य, मुक्ता, इन्द्र नील, मस्तक, पुष्यराग पांचों हाउस और राष्ट्रीय सेवा योजना के भारद्वाज, आत्रेय और अष्टावक्र इकाई के विर्थियों ने वैसाख सर के मार्गदर्शन में प्रतिभाग करते जीवनोपयोगी योगासनों का जैसे हस्तपाद आसन, अर्धहलासन, सशकासन, त्रिकोण आसन, शलभासन, ताड़ासन, भ्रामरी प्राणायाम, शीतली प्राणायाम इत्यादि का प्रदर्शन करते हुए उसके महत्ता और विभिन्न रोगों में हितकारी बताया।

प्रतियोगिता के अंत में डॉ. चन्द्रजीत यादव ने सभी को योग के बारे में बताते हुए कहा मन को विभिन्न विषयों से हटा कर आत्म केन्द्रित करना ही योग है। महर्षि पतंजलि ने अष्टांग योग के बारे में बताया है। जिसमें से एक आसन है। हम सभी उसे ही योग मान लेते हैं। योग का लक्ष्य ही समाधि है। महर्षि व्यास तो योग का तात्पर्य ही समाधि को मानते हैं। कर्मों में कुशलता को ही भगवद्गीता योग मानती है।

निर्णायक मण्डल में उपस्थित डॉ. देवी, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय रहें विर्थियों को योग के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन क्रमशः डॉ. वैशाख, डॉ. संध्या पाठक ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित उप प्राचार्य डॉ. सुमित, डॉ. नवीन, डॉ दीपू मनोहर, डॉ. संदीप, डॉ. गोपीकृष्ण ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देते हुए उत्साहवर्धन किए।

कार्यक्रम में सभी बीएएमएस विद्यार्थियों सहित डॉ. विनम्र, डॉ. श्री नाथ, डॉ. श्रीधर सहित सभी प्राध्यापक उपस्थित रहें।

योग शिविर : प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता — गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

दिनांकः 19 जून, 2025 को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के पंचकर्मा सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह समारोह शिविर के चतुर्थ दिवस पर महाविद्यालय में प्रातःकालीन समय में सामान्य योग सत्र का सामूहिक अभ्यास कराया गया। इस योगाभ्यास में बीएएमएस के सभी वर्ष के छात्र.छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम–विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओं एवं प्राणायामों का अभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आयुर्वेद और योग के समन्वय को प्रोत्साहित करना रहा। योग अभ्यास के उपरांत, महाविद्यालय परिसर में एक योग विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बीएएमएस के विभिन्न हाउसों के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता दिखाई। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों की ज्ञान–संपन्नता तथा योग संबंधी शास्त्रीय समझ को परखने हेतु आयोजित की गई थी।

कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैसाख और योगाचार्य चन्द्रजीत यादव ने किया। शिविर प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांत, उप प्राचार्य डॉ. सुमित, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. विष्णु, डॉ. श्री लक्ष्मी, डॉ. जितेन्द्र, डॉ. नवोदय राजू, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्री नाथ, सहित सभी प्राध्यापक और बीएएमएस विद्यार्थी और अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई और भारद्वाज इकाई के स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह एवं योग नृत्य करते बीएएमएस की विद्यार्थी

दिनांकः 21 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्य रूप से मनाया गया। योगाभ्यास का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, मुख्य अतिथि 102 यूपी बटालियन के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, डॉ. गिरिधर वेदांतम ने दीपप्रज्वलन कर योगाभ्यास आयोजन का शुभारंभ किया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज और राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा संयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग अभ्यास कराया गया।

योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम–विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओं एवं प्राणायामों का अभ्यास कराया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर कहा कि योग तनाव से मुक्ति देता हैं, योग भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्तर पर संतुलन बनाने की कला है।

वर्तमान परिवेश में नियमित योगा के अभ्यास जीवन जीने की संजीवनी देगा। भारतीय प्राचीन योग परंपरा की दिव्यता को जीवन में ग्रहण करने का सौभाग्य हम सभी को मिला है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ प्राण वायु की आवश्यकता है। जिसके लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने 11 हजार वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया है। हम सभी पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लेकर अपने स्वास्थ्य के प्रति भी संवेदनशील होंगे, अन्तर्राष्ट्रीय योग को पूरे विश्व ने स्वीकार किया।

योग हमें सिखाता है कि हम प्रकृति से अलग नहीं हैं, बल्कि उसी का हिस्सा हैं। 'वर्तमान युग में जहाँ जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, महामारी और मानसिक तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं, वहीं योग पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि योग में ध्यान, प्राणायाम और धारणा जैसी क्रियाएं मानसिक तनाव को कम करती हैं। योग जीवन को गहरे अर्थों की ओर ले जाता है, जिससे व्यक्ति में करुणा, सह–अस्तित्व और प्रकृति के प्रति श्रद्धा उत्पन्न होती है। पृथ्वी को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखना हैं, तो केवल वैज्ञानिक उपाय ही नही, बल्कि योग भी एक ऐसी पद्धति है जो हमें सतत विकास, पर्यावरणीय संरक्षण और समग्र स्वास्थ्य की दिशा में मार्गदर्शन देता है।

मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि हठयोग, कुण्डलिनी योग और शरीर साधना नाथ संप्रदाय का एक महत्वपूर्ण अंग है। नाथ योगियों ने न केवल भारत, बल्कि नेपाल, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड आदि देशो में योग का प्रचार किया। उनकी परंपरा आज भी नेपाल के पशुपतिनाथ, गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर और हिमालय के विभिन्न आश्रमों में जीवंत रूप में विद्यमान है। योग को केवल आत्मकल्याण के लिए नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण के लिए एक क्रांतिकारी साधन के रूप में अपनाया।

योग अभ्यास के साथ योग नृत्य आयुर्वेद संकाय के विद्यार्थी साक्षी सिंह, सिमरन तिवारी, सिद्धांत श्रीवास्तव, अंजली, मोनी कुमारी, उत्कर्ष सिंह और हिमांशु गुप्ता ने योग मुद्राओं के अद्भुत, लय, संयोजन से शानदार योग

आरोग्य पथ

नृत्य प्रस्तुत किया

योगाभ्यास संचालन नीतीश दुबे, कोमल गुप्ता, सुमेश यादव, अमृतांजलि चौबे ने किया। योग दिवस पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी को योग दिवस की शुभकामना दिया।

कार्यक्रम का आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे ने किया।

योगाभ्यास में प्रमुख रूप से प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, उपकुलसचिव श्री श्रीकांत, अकादमिक अधिष्ठाता, डॉ. प्रशांत मूर्ति, डॉ. रघुराम आचार्य, डॉ. मधुसूदन पुरोहित, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. शशि कांत सिंह, श्री अश्वनी कुमार, शिक्षक डॉ. मिनी. के, डॉ. सुमित एम, सूबेदार गुरनाम सिंह, नायक यूसुफ खान, लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्त, डॉ. पवन कन्नौजिया, डॉ. विकास यादव, डॉ. प्रिया आर, डॉ. दीपू मनोहर, कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. श्रीनाथ आर, डॉ. वैशाख आर, अनिल कुमार, रश्मि झा, कविता साहनी, सुमन यादव, वत्स त्रिवेदी, अविनाश कमल मिश्रा, आनंद मिश्रा, सन्नी, शारदानंद पांडेय, रवि यादव सहित सभी प्राध्यापक विद्यार्थी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के स्वयं सेवक उपस्थित रहें।

आरोग्य पथ

अतिथि व्याख्यान
गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

आयुर्वेद चिकित्सा में एआई की भूमिका विषय पर व्याख्यान में श्री अविनाश त्रिपाठी जी को सम्मानित करते हुए आयुर्वेद के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम

दिनांकः 25 जून, 2025 को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद संकाय के पंचकर्म विभाग में एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के टॉप 10 विशेषज्ञों में शामिल श्री अविनाश त्रिपाठी जी ने भाग लिया।

उन्होंने अपनी माताजी को जोड़ों के पुराने दर्द की आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा हेतु संस्थान में पंजीकृत किया।

इस अवसर पर आयोजित 'आयुर्वेद चिकित्सा में एआई की भूमिक''ा विषयक इंटरएक्टिव सेशन में श्री त्रिपाठी ने बीएएमएस छात्रों और सभी फैकल्टी सदस्यों को बताया कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग आयुर्वेदिक शिक्षा, नैदानिक निर्णयों, अनुसंधान और चिकित्सा प्रबंधन में प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को नए स्तर पर ले जा सकती हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. डॉ. गिरिधर वेदांतम ने की। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी और शिशु एवं बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। संस्थान के सभी विभागों के शिक्षकगण और छात्र–छात्राएं कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

इस अवसर पर संस्थान के पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीधर जी के द्वारा गठिया, वात रोग, जोड़ों के दर्द एवं अन्य मस्कुलोस्केलेटल विकारों में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति और विशेष पंचकर्म प्रक्रियाओं (जैसे बस्ती, जानुबस्ति, पट्टाभ्यंग, स्नेहन–स्वेदन आदि) की सफलता और महत्व पर प्रकाश डाला गया। यह बताया गया कि कैसे बिना सर्जरी और स्टेरॉइड के, आयुर्वेद द्वारा मरीजों को दीर्घकालिक राहत दी जा सकती है।

संस्थान के इस प्रयास की सराहना करते हुए श्री त्रिपाठी ने इसे 'आधुनिकता और परंपरा के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण' बताया और सभी छात्रों से आग्रह किया कि वे इस ज्ञान को विश्व स्तर तक पहुँचाने में भूमिका निभाएँ।

उपलब्धि
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर

उत्कर्ष सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए माननीय कुलपति एवं क्षेत्राधिकारी गोरखनाथ मंदिर

दिनांकः 27 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में संचालित छात्र पुलिस अनुभवात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम (फेज 2.0) के अंतर्गत विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के 'स्वयंसेवक उत्कर्ष सिंह ने सोशल मीडिया पोस्टिंग श्रेणी में उत्तर प्रदेश स्तर पर पाँचवां स्थान प्राप्त किया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्तर प्रदेश पुलिस एवं भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से संचालित किया गया, जिसमें प्रदेशभर से चयनित प्रतिभागियों ने भाग लिया। उत्कर्ष सिंह को यह प्रशस्ति पत्र उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक (नियम एवं ग्रंथ विभाग) द्वारा जारी किया गया, जिसे कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह एवं क्षेत्राधिकारी गोरखनाथ मंदिर श्री विजय आनंद शाही द्वारा प्रदान किया गया।

इस अवसर पर कुलपति महोदय

ने कहा 'प्रदेश स्तर पर उत्कर्ष द्वारा प्राप्त यह स्थान विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व व सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करते हैं। ऐसे छात्र भविष्य में पुलिस मित्र बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम होंगे।

'क्षेत्राधिकारी एवं पुलिस विभाग के जनपद नोडल अधिकारी श्री विजय आनंद शाही ने अपने विस्तारपूर्ण वक्तव्य में कहा 'इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को पुलिस व्यवस्था के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना तथा उनके भीतर सेवा, सुरक्षा और सहयोग की भावना को जागृत करना था।

गोरखपुर जैसे महत्वपूर्ण जनपद से छात्रों का इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। एनएसएस के माध्यम से छात्र समाज के प्रति जिम्मेदारी को समझते हैं और अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था एवं सूचना संप्रेषण जैसे विषयों में भी जागरूक होते हैं। यह प्रशिक्षण भविष्य में समाज और पुलिस के बीच सेतु का कार्य करेगा।

'मैं विश्वविद्यालय प्रशासन, विशेषकर एनएसएस समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे को इस सफल समन्वय हेतु धन्यवाद देता हूँ। ऐसी सहभागिता पुलिस एवं शिक्षा के बीच सशक्त समन्वय का उदाहरण है।

'कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. विमल दुबे ने कहा कि 'उत्कर्ष सिंह की इस उपलब्धि ने यह सिद्ध किया है कि यदि छात्रों को सही मार्गदर्शन एवं मंच मिले तो वे किसी भी स्तर पर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों में सामाजिक चेतना, नेतृत्व क्षमता और संप्रेषण कौशल का अभूतपूर्व विकास करते हैं। यह सफलता न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं नैतिक दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम विभागीय स्तर पर भी छात्रों को ऐसी पहल हेतु प्रेरित करते रहेंगे। 'राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक शिक्षा विभाग के जनपद नोडल अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से हम छात्रों को समाज सेवा, नेतृत्व विकास और राष्ट्रीय दायित्व की ओर प्रेरित कर रहे हैं। उत्कर्ष सिंह की यह सफलता अन्य छात्रों के लिए भी एक मिसाल बनेगी।

विश्वविद्यालय एवं पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयासों से यह कार्यक्रम एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित हुआ है। एनएसएस भविष्य में भी ऐसे नवाचारों एवं सहभागिताओं के लिए तत्पर रहेगा।

नर्सिंग विद्यार्थियों ने तैयार किये विभिन्न पोषक आहार

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 2 जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर की विद्यार्थियों ने विभिन्न अवस्थाओं के लिए जरूरी पोषक आहार बनाकर उनका प्रदर्शन किया।

50 विद्यार्थियों ने दस समूहों में विभक्त होकर गर्भावस्था आहार, विटामिन ए युक्त आहार, संतुलित आहार, उच्च रक्तचाप के रोकथाम से जुड़े आहार, प्रोटीन युक्त आहार,

कैल्शियम युक्त आहार, फाइबर युक्त आहार, आयरन युक्त आहार, ब्लैंड डाइट एवं प्रसवोत्तर आहार तैयार किए। तैयार किए गए खाद्य पदार्थों में रागी पोरिज, पालक पराठा, गाजर का हलवा, कद्दू सूप, ब्राउन राइस राजमा, बाजरे की रोटी, मूंग दाल हलवा, पनीर पराठा, पपीते की बर्फी, चुकंदर पराठा, सूजी उपमा और गुड़-गोंद लड्डू शामिल थे। ये सभी आहार महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। प्रत्येक समूह ने पोस्टर और चार्ट के माध्यम से अपने बनाए गए आहार की पोषणीय गुणवत्ता का प्रस्तुतीकरण किया। यह आयोजन शिक्षिकाओं अन्नू पटेल, ममता, प्रज्ञा मिश्रा, समरीन, निधि राय, शक्ति, श्रद्धा, गरिमा पांडेय, प्रिया पाठक और सृष्टि के मार्गदर्शन में हुआ।

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में सैकड़ों बच्चों का हुआ सुवर्णप्राशन

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में शनिवार को पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर सुवर्णप्राशन संस्कार (आयुर्वेदिक टीकाकरण) का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का लाभ शहर ही नहीं, दूरदराज से आए 16 वर्ष से कम आयु के सैकड़ों बच्चों ने लिया।

इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि सुवर्णप्राशन एक प्राचीन आयुर्वेदिक विधि है। यह बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, बार-बार होने वाले सर्दी, खांसी व अन्य संक्रमणों से बचाने, बुद्धि, पाचन व शारीरिक बल को सुदृढ़ करने के लिए पुष्य नक्षत्र में दी जाती है। यह आयुर्वेदिक टीकाकरण विधि बच्चों के समग्र विकास हेतु अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। यह सेवा प्रत्येक पुष्य नक्षत्र को निःशुल्क रूप से उपलब्ध कराई जाती है। सुवर्णप्राशन संस्कार आयुर्वेद विज्ञान का एक अभूतपूर्व योगदान है, जो आज की पीढ़ी को स्वस्थ और सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी, एवं शिशु व बाल रोग विभाग (आयुर्वेद) के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी, डॉ. श्रीलक्ष्मी व डॉ. की सक्रिय सहभागिता रही।

विद्यार्थियों ने तैयार किए पोषक आहार

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर की विद्यार्थियों ने विभिन्न अवस्थाओं के लिए जरूरी पोषक आहार बनाकर उनका प्रदर्शन किया।

50 विद्यार्थियों ने दस समूहों में विभक्त होकर गर्भावस्था आहार, विटामिन ए युक्त आहार, संतुलित आहार, उच्च रक्तचाप के रोकथाम से जुड़े आहार, प्रोटीन युक्त आहार, कैल्शियम युक्त आहार, फाइबर युक्त आहार, आयरन युक्त आहार, ब्लैंड डाइट एवं प्रसवोत्तर आहार तैयार किए। तैयार किए गए खाद्य पदार्थों में रागी पोरिज, पालक पराठा, गाजर का हलवा, कद्दू सूप, ब्राउन राइस राजमा, बाजरे की रोटी, मूंग दाल हलवा, पनीर पराठा, पपीते की बर्फी, चुकंदर पराठा, सूजी उपमा और गुड़-गोंद लड्डू शामिल थे। ये सभी आहार महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। प्रत्येक समूह ने पोस्टर और चार्ट के माध्यम से अपने बनाए गए आहार की पोषणीय गुणवत्ता का प्रस्तुतीकरण किया। यह आयोजन शिक्षिकाओं अन्नू पटेल, ममता, प्रज्ञा मिश्रा, समरीन, निधि राय, शक्ति, श्रद्धा, गरिमा पांडेय, प्रिया पाठक और सृष्टि के मार्गदर्शन में हुआ।

Nursing students prepared nutritious food for people of different ages

JEEVEN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: Students of BSc Nursing second semester studying in the Nursing Department of Faculty of Nursing and Paramedical of Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur (MGUG) prepared and demonstrated nutritious food required for different stages.

50 students divided into ten groups prepared pregnancy diet, vitamin A rich diet, balanced diet, diet related to prevention of high blood pressure, protein rich diet, calcium rich diet, fiber rich diet, iron rich diet, blended diet and postpartum diet. Each group presented the nutritional quality of the diet prepared by them through posters and charts.

Teachers Annu Patel, Mamta, Pragya Mishra, Samreen, Nidhi Rai, Shakti, Shraddha, Garima Pandey, Priya Pathak and Srishti guided the students in the project.

कम लागत में मशरूम उत्पादन का मॉडल प्रस्तुत किया एमजीयूजी के छात्र ने

एमजीयूजी के छात्र ने कम लागत में किया ऑयस्टर मशरूम का उत्पादन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के छात्र अमित कुमार चौधरी ने विश्वविद्यालय परिसर में कम लागत में ऑयस्टर मशरूम का सफलतापूर्वक उत्पादन कर अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया है। अमित कृषि संकाय में स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र हैं।

> ऐसे नवोन्मेषी कार्य विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर करते हैं तथा विद्यार्थियों को शोध, नवाचार और स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके साथ ही अन्य विद्यार्थी भी इस प्रेरणास्पद उदाहरण से प्रेरणा लेकर 'नई सोच, नई खेती' के लक्ष्य को साकार करेंगे। - डॉ. सुरेंद्र सिंह, कुलपति एमजीयूजी

कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. विकास कुमार यादव के निर्देशन में अमित ने ऑयस्टर मशरूम बनाया। सीमित संसाधनों में उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ मशरूम उत्पादन कर अमित स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कृषि अपशिष्ट, जैसे गेहूं की भूसी और पराली का उपयोग कर पर्यावरणीय सजगता का भी परिचय दिया। डॉ. विमल कुमार दुबे और डॉ. विकास कुमार यादव ने कहा कि इस नवाचारी प्रयास से विद्यार्थियों में उद्यमिता, नवाचार और व्यावहारिक दक्षता को प्रोत्साहन मिलेगा। संवाद

सीएम योगी के जन्मदिन पर एमजीयूजी में हुआ पौधरोपण

पर्यावरण संतुलन के लिए पौधरोपण के साथ पौधों के संरक्षण का भी लें संकल्प : कुलपति

पूर्वा टाइम्स समाचार

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में गुरुवार को मुख्यमंत्री एवं इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित पौधरोपण अभियान की शुरुआत कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व पर्यावरण की समस्या से जूझ रहा है। पर्यावरण संतुलन और प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए जरूरी है कि हम अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करने का संकल्प लें। हमारे पुराणों में उल्लिखित है कि एक वृक्ष दस पुत्र के समान होता हैं। कुलपति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि सभी को उनके आदर्श जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। पौधारोपण कार्यक्रम में श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डा. अनुराग श्रीवास्तव ने स्वयंसेवकों को प्लास्टिक का प्रयोग न करने एवं नशा मुक्त समाज निर्माण और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलायी। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ.अखिलेश कुमार दुबे ने विश्वविद्यालय के सभी स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि एक पेड़ अपनी मां के नाम पर अपने घर या अपने आसपास लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प ले। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के निर्देशन में हुए पौधरोपण कार्यक्रम में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की अधिष्ठाता डॉ. डीएस अजीथा, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील सिंह, पैरामेडिकल के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, एनसीसी के लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. मिनी के, डॉ. धीरेन्द्र सिंह, डॉ. प्रेरणा अदिति, सृष्टि यदुवंशी, रश्मि शाही, अनुकृति राज, कार्यक्रम अधिकारी श्रीनाथ आर., वैशाख आर., साध्वी नन्दन पाण्डेय, अनिल कुमार पटेल, धीरज कुमार, रश्मि झा सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों और एनसीसी के कैडेट्स की सक्रिय सहभागिता रही।

समाचार दर्पण

पौधरोपण के साथ पौधों के संरक्षण का भी लें संकल्प

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री एवं इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।

पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण करते विश्वविद्याल के कुलाधिपति व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक। फोटो : एसएनबी

विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित पौधरोपण अभियान की शुरुआत कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व पर्यावरण की समस्या से जूझ रहा है। पर्यावरण संतुलन और प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए जरूरी है कि हम अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करने का संकल्प लें। हमारे पुराणों में उल्लिखित है कि एक वृक्ष दस पुत्र के समान होता है।

कुलपति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि सभी को उनके आदर्श जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। पौधारोपण कार्यक्रम में श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डा. अनुराग श्रीवास्तव ने स्वयंसेवकों को प्लास्टिक का प्रयोग न करने एवं नशा मुक्त समाज निर्माण और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलायी। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा.अखिलेश कुमार दुबे ने सभी स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि एक पेड़ अपनी मां के नाम पर अपने घर या अपने आसपास लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प ले।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के निर्देशन में हुए पौधरोपण कार्यक्रम में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की अधिष्ठाता डॉ. डीएस अजीथा, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील सिंह, पैरामेडिकल के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, एनसीसी के लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डा. मिनी के, डा. धीरेन्द्र सिंह, डा. प्रेरणा सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों और एनसीसी के कैडेट्स की सक्रिय सहभागिता रही।

- सीएम योगी के जन्मदिन पर एमजीयूजी में हुआ पौधरोपण
- स्वयंसेवकों को पर्यावरण संरक्षण की दिलायी शपथ

छात्र ने मशरूम उत्पादन का मॉडल प्रस्तुत किया

डीडीयू

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय में स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र अमित कुमार चौधरी ने विश्वविद्यालय परिसर में कम लागत में ऑयस्टर मशरूम का सफलतापूर्वक उत्पादन कर अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया है। यह कार्य उन्होंने अपनी प्रयोगात्मक परियोजना के अंतर्गत कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. विकास कुमार यादव के मार्गदर्शन में किया। कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे और सहायक प्राध्यापक डॉ. विकास कुमार यादव ने कहा है कि इस नवाचारी प्रयास से विद्यार्थियों में उद्यमिता, नवाचार और व्यावहारिक दक्षता को प्रोत्साहन मिलेगा तथा वे परंपरागत कृषि से आगे सोचने के लिए प्रेरित होंगे। कुलपति डॉ. सुरेंद्र सिंह व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अमित कुमार चौधरी को शुभकामनाएं दीं। अधिष्ठाता स्टार्टअप डॉ. पुरोहित ने इसे व्यावसायिक स्तर शुरू करने की योजना का प्रस्ताव कृषि संकाय के समक्ष रखा है।

कम लागत में मशरूम उत्पादन का छात्र ने प्रस्तुत किया मॉडल

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय में स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र अमित कुमार चौधरी ने विश्वविद्यालय परिसर में कम लागत में ऑयस्टर मशरूम का सफलतापूर्वक उत्पादन कर अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया है। यह कार्य उन्होंने कृषि संकाय के अधिष्ठाता एवं सहायक प्राध्यापक के मार्गदर्शन में किया।

सीमित संसाधनों में उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ मशरूम उत्पादन कर अमित कुमार चौधरी ने यह सिद्ध किया है कि कम लागत में भी लाभकारी एवं व्यावसायिक कृषि संभव है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कृषि अपशिष्ट, जैसे गेहूं की भूसी और पराली का उपयोग कर पर्यावरणीय सजगता का भी परिचय दिया। कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे और सहायक प्राध्यापक डा. विकास कुमार यादव ने कहा है कि इस नवाचारी प्रयास से विद्यार्थियों में उद्यमिता, नवाचार और व्यावहारिक दक्षता को प्रोत्साहन मिलेगा तथा वे परंपरागत कृषि से आगे सोचने के लिए प्रेरित होंगे। एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि ऐसे नवोन्मेषी कार्य विद्यार्थियों को शोध, नवाचार और स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दी और यह अपेक्षा व्यक्त की है कि अन्य विद्यार्थी भी इस प्रेरणास्पद उदाहरण से प्रेरणा लेकर नई सोच, नई खेती के लक्ष्य को साकार करेंगे। अधिष्ठाता स्टार्टअप डॉ. पुरोहित ने इसे व्यावसायिक स्तर शुरू करने की योजना बनाने का प्रस्ताव कृषि संकाय के समक्ष रखा है।

Tree plantation held in MGUG on CM Yogi's birthday

Take a pledge to protect plants along with plantation for environmental balance: Vice Chancellor

JEEVEN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: A pledge to protect the environment was taken by planting trees on Thursday at Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur (MGUG) on the occasion of Chief Minister and Chancellor of this university Yogi Adityanath's birthday and World Environment Day. The tree plantation campaign organized by the volunteers of National Service Scheme and National Cadet Corps operating in the university was started by Vice Chancellor Dr. Surinder Singh.

On this occasion, Vice Chancellor said that today the whole world is battling environmental problems. In the tree plantation program, Principal of Gorakshanath Medical College Hospital and Research Centre, Dr. Anurag Shrivastava administered the oath to the volunteers not to use plastic and to build a drug-free society and to protect the environment. Coordinator of National Service Scheme, Dr. Akhilesh Kumar Dubey urged all the volunteers to plant a tree in the name of their mother at their home or around them and take a pledge to protect it. In the tree plantation programme conducted under the guidance of Registrar, Dr. Pradeep Kumar Rao, Dean of Nursing & Paramedical Faculty Dr. DS Ajitha, Dean of Allied Health Sciences Faculty Prof. Sunil Singh, Principal of Paramedical Dr. Rohit Srivastava, NCC Lieutenant Dr. Sandeep Kumar Srivastava, Dr. Mini K, Dr. Dhirendra Singh, Dr. Prerna Aditi, Srishti Yadavvanshi, Rashmi Shahi, Anukriti Raj, Program Officer Srinath R., Vaishakh R., Sadhvi Nandan Pandey, Anil Kumar Patel, Dheeraj Kumar, Rashmi Jha along with National Service Scheme volunteers and NCC cadets participated.

ld in Lucknow on June 22

Brijesh Singh, Karmaveer Singh, Pishu Singh, Utkarsh Singh, Yogendra Singh, Aditya Pratap Singh, Anish Singh, Satyam Singh, Rahul Singh, Sneh Kumar Singh were present in the program.

जीएनएम छात्राओं ने जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र का किया भ्रमण

पूर्वा टाइम्स समाचार

गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र राप्तीनगर और खोराबार ब्लॉक की ग्राम पंचायत गौरीमंगलपुर खास का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र की प्रयोगशाला के कार्यकारी अभियंता अखिल आनंद ने छात्राओं को पीने के पानी की गुणवत्ता की जांच की प्रक्रिया को समझाया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र पर कुल 7 कर्मचारी कार्यरत हैं और इसमें तीन मुख्य प्रयोगशालाएं हैं, इंस्ट्रूमेंट लैब, टेस्टिंग हॉल एवं माइक्रो लैब। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जल नमूनों की जांच प्रक्रिया देखी, जिसे 37 डिग्री सेल्सियस पर 24 घंटे के लिए इनक्यूबेट किया जाता है ताकि उसमें कॉलिफॉर्म जीवाणुओं की उपस्थिति की पुष्टि की जा सके। छात्राओं ने यह भी जाना कि जलजनित रोगों की रोकथाम में सूक्ष्मजीव परीक्षण कितना आवश्यक है। इस शैक्षणिक भ्रमण में छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षाकाओं कविता साहनी और नीतू यादव ने किया।

छात्राओं ने किया जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र का भ्रमण

गोरखपुर। एमजीयूजी के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र राप्तीनगर और खोराबार ब्लॉक की ग्राम पंचायत गौरीमंगलपुर खास का शैक्षणिक भ्रमण किया। जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र प्रयोगशाला के कार्यकारी अभियंता अखिल आनंद ने छात्राओं को पीने के पानी की गुणवत्ता की जांच की प्रक्रिया को समझाया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र पर कुल 7 कर्मचारी कार्यरत हैं और इसमें तीन मुख्य प्रयोगशालाएं हैं, इंस्ट्रूमेंट लैब, टेस्टिंग हॉल एवं माइक्रो लैब। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जल नमूनों की जांच प्रक्रिया देखी, जिसे 37 डिग्री सेल्सियस पर 24 घंटे के लिए इनक्यूबेट किया जाता है ताकि उसमें कॉलिफॉर्म जीवाणुओं की उपस्थिति की पुष्टि की जा सके। छात्राओं ने यह भी जाना कि जलजनित रोगों की रोकथाम में सूक्ष्मजीव परीक्षण कितना आवश्यक है। इस शैक्षणिक भ्रमण में छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षाकाओं कविता साहनी और नीतू यादव ने किया।

जीएनएम छात्राओं ने जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र का किया भ्रमण'

संवाददाता

गोरखपुर, 13 जून। महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र राप्तीनगर और खोराबार ब्लॉक की ग्राम पंचायत गौरीमंगलपुर खास का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र की

प्रयोगशाला के कार्यकारी अभियंता अखिल आनंद ने छात्राओं को पीने के पानी की गुणवत्ता की जांच की प्रक्रिया को समझाया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र पर कुल 7 कर्मचारी कार्यरत हैं और इसमें तीन मुख्य प्रयोगशालाएं हैं, इंस्ट्रूमेंट लैब, टेस्टिंग हॉल एवं माइक्रो लैब। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जल नमूनों की जांच प्रक्रिया देखी, जिसे 37 डिग्री सेल्सियस पर 24 घंटे के लिए इनक्यूबेट किया जाता है ताकि उसमें कॉलिफॉर्म जीवाणुओं की उपस्थिति की पुष्टि की जा सके। छात्राओं ने यह भी जाना कि जलजनित रोगों की रोकथाम में सूक्ष्मजीव परीक्षण कितना आवश्यक है। इस शैक्षणिक भ्रमण में छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षाकाओं कविता साहनी और नीतू यादव ने किया।

जीएनएम छात्राओं ने जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र का किया भ्रमण

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र राप्तीनगर और खोराबार ब्लॉक की ग्राम पंचायत गौरी मंगलपुर खास का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर जल गुणवत्ता परीक्षण केंद्र की प्रयोगशाला के कार्यकारी अभियंता अखिल आनंद ने छात्राओं को पीने के पानी की गुणवत्ता की जांच की प्रक्रिया को समझाया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र पर कुल 7 कर्मचारी कार्यरत हैं और इसमें तीन मुख्य प्रयोगशालाएं हैं, इंस्ट्रूमेंट लैब, टेस्टिंग हॉल एवं माइक्रो लैब। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जल नमूनों की जांच प्रक्रिया देखी, जिसे 37 डिग्री सेल्सियस पर 24 घंटे के लिए इनक्यूबेट किया जाता है ताकि उसमें कॉलिफॉर्म जीवाणुओं की उपस्थिति की पुष्टि की जा सके। छात्राओं ने यह भी जाना कि जलजनित रोगों की रोकथाम में सूक्ष्मजीव परीक्षण कितना आवश्यक है। इस शैक्षणिक भ्रमण में छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षाकाओं कविता साहनी और नीतू यादव ने किया।

समाचार दर्पण

ईरी में प्रशिक्षण लेंगे एमजीयूजी के कृषि विद्यार्थी

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 17 जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय के स्नातक कृषि ऑनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी) दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है।

यह जानकारी देते हुए कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने बताया कि ईरी के विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन के उपरांत 13 विद्यार्थियों अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, अनुभव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, और अनुभव पाण्डेय का चयन प्रशिक्षण देने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि ईरी विश्व की अग्रिम संस्थाओं में से एक है जो चावल शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही है। एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

'ईरी में प्रशिक्षण लेंगे एमजीयूजी के कृषि विद्यार्थी'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय के स्नातक कृषि ऑनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी)

दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है। यह जानकारी देते हुए कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने बताया कि ईरी के विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन के उपरांत 13 विद्यार्थियों अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, अनुभव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, और अनुभव पाण्डेय का चयन प्रशिक्षण देने के लिए किया है। उन्होंने कहा है कि ईरी विश्व की अग्रिम संस्थाओं में से एक है जो चावल शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही है। एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के छात्र ईरी में प्रशिक्षण लेने जाएंगे।

ईरी में प्रशिक्षण लेंगे एमजीयूजी के कृषि विद्यार्थी

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय के स्नातक कृषि ऑनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी) दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है। कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने बताया कि अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, अनुभव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, और अनुभव पाण्डेय का चयन प्रशिक्षण के लिए हुआ है।

ईरी में प्रशिक्षण लेंगे एमजीयूजी के 13 कृषि विद्यार्थी

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय के स्नातक कृषि ऑनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी) दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है। यह जानकारी देते हुए कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने बताया कि ईरी के विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन के उपरांत 13 विद्यार्थियों अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, अनुभव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, और अनुभव पाण्डेय का चयन प्रशिक्षण देने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि ईरी विश्व की अग्रिम संस्थाओं में से एक है जो चावल शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही है। एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ईरी में प्रशिक्षण लेंगे एमजीयूजी के कृषि विद्यार्थी

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 17 जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय के स्नातक कृषि ऑनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी) दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है।

यह जानकारी देते हुए कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने बताया कि ईरी के विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन के उपरांत 13 विद्यार्थियों अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, अनुभव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, और अनुभव पाण्डेय का चयन प्रशिक्षण देने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि ईरी विश्व की अग्रिम संस्थाओं में से एक है जो चावल शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही है। एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आयुर्वेद वैज्ञानिक एवं समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने वाला चिकित्सा विज्ञान : डॉ. अनुराग

» अधिकांश व्याधियों का मूल कारण आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य : डॉ. तोमर

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। वर्तमान दौर में निरोगी रहने के लिए पारंपरिक भारतीय खानपान और आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक है। आयुर्वेद एक अत्यंत वैज्ञानिक एवं समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने वाला चिकित्सा विज्ञान है। यह आज की जीवनशैली जनित व्याधियों के प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी हो सकता है। यह कहना है गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव का। डॉ. अनुराग अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, जीवनशैली जन्य रोगों का प्रबंधन : एक समग्र दृष्टिकोण विषयक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने

आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए हठयोग-संगमन्न की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने इन्टीग्रेटिव विज़डम की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आयुर्वेद, एलोपैथी, आयुर्जेनोमिक्स तथा आधुनिक अनुसंधान के समन्वय से ही एक सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण संभव है।

अध्यक्षता करते हुए विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य ये त्रय उपस्तंभ हैं, जिनकी उपेक्षा वर्तमान समय की अधिकांश व्याधियों का मूल कारण है। इस परिस्थिति में आयुर्वेद और योग को अपनाना होगा। योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है। डॉ. तोमर ने कहा कि किसी भी चिकित्सा पद्धति की आलोचना न करते हुए सभी पद्धतियों को पूरक रूप में अपनाया जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि एमिल फार्मास्युटिकल्स के निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने मधुमेह पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत को मधुमेह की राजधानी कहा जाने लगा है। उन्होंने बीजीआर -34 आयुर्वेदिक औषधि का उल्लेख किया जो ग्लूकोज को नियंत्रित करने में सहायक है और जिसमें 34 औषधीय घटक शामिल है।

स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम और आभार ज्ञापन क्रिया शरीर विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवोदय राजू ने किया।

ईरी में प्रशिक्षण लेंगे एमजीयूजी के कृषि विद्यार्थी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय के स्नातक कृषि ऑनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी) दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है। यह जानकारी देते हुए कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने बताया कि ईरी के विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन के उपरांत 13 विद्यार्थियों अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, अनुभव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, और अनुभव पाण्डेय का चयन प्रशिक्षण के लिए किया है। उन्होंने कहा कि ईरी विश्व की अग्रिम संस्थाओं में से एक है जो चावल शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही है। एमजीयूजी के कुलपति डा. सुरिंदर सिंह और

कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

निरोग रहने के लिए पारंपरिक खानपान जरूरी

गोरखपुर : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मंगलवार को संगोष्ठी आयोजित की गई। विषय था- 'जीवनशैली जन्य रोगों का प्रबंधन : एक समग्र दृष्टिकोण'। मुख्य अतिथि गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डा. अनुराग श्रीवास्तव थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में निरोग रहने के लिए पारंपरिक भारतीय खानपान और आयुर्वेदसम्मत जीवनशैली जरूरी है।

अध्यक्षीय संबोधन में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डा. जीएस तोमर ने कहा कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य, ये त्रय उपस्तंभ हैं, जिनकी उपेक्षा वर्तमान की अधिकांश व्याधियों का मूल कारण है।

इस परिस्थिति में आयुर्वेद और योग को अपनाना होगा। विशिष्ट अतिथि एमिल फार्मास्युटिकल्स के निदेशक डा. संचित शर्मा ने भी संबोधित किया। स्वागत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम और आभार ज्ञापन क्रिया शरीर विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. नवोदय राजू ने किया। विज्ञप्ति।

खुद को स्वस्थ रखने के लिए योग से जुड़े एम्स के डाक्टर

एम्स में योगासन करते स्वास्थ्यकर्मी • सौजन्य एम्स गोरखपुर

गोरखपुर : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एम्स गोरखपुर योग सप्ताह की शुरुआत की गई है। 'वन अर्थ, वन हेल्थ हेतु योग' के थीम पर डाक्टर और स्वास्थ्यकर्मी योग से जुड़कर खुद को मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाने में जुटे हैं। आयुष विभाग में आयोजित योग शिविर का शुभारंभ कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) डा. विभा दत्ता ने किया। योग सप्ताह के अंतर्गत प्रतिदिन एमबीबीएस छात्रों, नर्सिंग छात्रों, नर्सिंग अधिकारियों, प्रशासनिक कर्मचारियों, हाउसकीपिंग व सुरक्षाकर्मियों के लिए योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। डा. एचएल भल्ला, डा. अराधना सिंह, डा. शशिकला भार्गव और अरुण कुमार पाठक शिविर पर नजर रख रहे हैं। (विज्ञप्ति)।

आरोग्य पथ

समाचार दर्पण

पारंपरिक खानपान व आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली रखेगी निरोगी

संगोष्ठी

- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एमजीयूजी में संगोष्ठी का आयोजन
- योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी : डॉ. तोमर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों पर संगोष्ठी हुई।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के छात्र ईरी में प्रशिक्षण लेने जाएंगे।

ईरी में प्रशिक्षण लेंगे एमजीयूजी के कृषि विद्यार्थी

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय के स्नातक कृषि ऑनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी) दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है। कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने बताया कि अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, अनुभव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, और अनुभव पाण्डेय का चयन प्रशिक्षण के लिए हुआ है।

निरोगी रहने को पारंपरिक खानपान व आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक : डॉ. अनुराग

योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी : डॉ. तोमर

एमजीयूजी में 'जीवनशैली जन्य रोगों का प्रबंधन : एक समग्र दृष्टिकोण' विषयक संगोष्ठी का आयोजन

आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक : डॉ. अनुराग

गोरखपुर(एसएनबी)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विवि (एमजीयूजी) में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'जीवनशैली जन्य रोगों का प्रबंधन एक समग्र दृष्टिकोण' विषयक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान दौर में निरोगी रहने के लिए पारंपरिक भारतीय खानपान और आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक है।

डा. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि आयुर्वेद एक अत्यंत वैज्ञानिक एवं समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने वाला चिकित्सा

- एमजीयूजी में संगोष्ठी आयोजित
- योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी : डा. तोमर

विज्ञान है। यह आज की जीवनशैली जनित व्याधियों के प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी हो सकता है। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए 'योग-संगम' की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने इन्टीग्रेटिव विजडम की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आयुर्वेद, एलोपैथी, आयुर्जेनोमिक्स तथा आधुनिक अनुसंधान के समन्वय से ही एक सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण सम्भव है। अध्यक्षता करते हुए विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डा. जीएस तोमर ने कहा कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य ये त्रय उपस्तंभ हैं, जिनकी उपेक्षा वर्तमान समय की अधिकांश व्याधियों का मूल कारण है। इस परिस्थिति में आयुर्वेद और योग को अपनाना होगा। योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है। डा. तोमर ने कहा कि किसी भी चिकित्सा पद्धति की आलोचना न करते हुए सभी पद्धतियों को पूरक रूप में अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद कीमोथैरेपी एवं रेडियोथैरेपी के दुष्प्रभावों को भी कम करने में सक्षम है। डॉ. तोमर ने मधुमेह के नियंत्रण में आयुर्वेद, पथ्य एवं जीवनचर्या की भूमिका को भी प्रभावशाली बताया। विशिष्ट अतिथि एमिल फार्मास्युटिकल्स के निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने मधुमेह पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत को मधुमेह की राजधानी कहा जाने लगा है। उन्होंने बीजीआर -34 आयुर्वेदिक औषधि का उल्लेख किया जो ग्लूकोज को नियंत्रित करने में सहायक है और जिसमें 34 औषधीय घटक शामिल हैं। स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम और आभार ज्ञापन शरीर विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवोदय राजू ने किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर गोरखनाथ विवि में आयोजित संगोष्ठी में अतिथि का भव्य स्वागत।

ईरी में प्रशिक्षण लेंगे एमजीयूजी के कृषि विद्यार्थी

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय के स्नातक कृषि ऑनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी) दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है। यह जानकारी देते हुए कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने बताया कि ईरी के विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन के उपरांत 13 विद्यार्थियों अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, अनुभव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, और अनुभव पाण्डेय का चयन प्रशिक्षण के लिए किया है। उन्होंने कहा कि ईरी विश्व की अग्रिम संस्थाओं में से एक है जो चावल शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही है। एमजीयूजी के कुलपति डा. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

निरोगी रहने को पारंपरिक खानपान व आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक : डॉ. अनुराग'

- 'योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी : डॉ. तोमर
- 'एमजीयूजी में 'जीवनशैली जन्य रोगों का प्रबंधन : एक समग्र दृष्टिकोण' विषयक संगोष्ठी का आयोजन

ईरी में प्रशिक्षण लेंगे एमजीयूजी के 13 कृषि विद्यार्थी

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय के स्नातक कृषि ऑनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी) दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है। यह जानकारी देते हुए कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने बताया कि ईरी के विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन के उपरांत 13 विद्यार्थियों अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, अनुभव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, और अनुभव पाण्डेय का चयन प्रशिक्षण देने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि ईरी विश्व की अग्रिम संस्थाओं में से एक है जो चावल शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही है। एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ईरी में प्रशिक्षण लेंगे गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कृषि संकाय के स्नातक कृषि आनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी) दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है। कृषि संकाय के अधिष्ठाता डा. विमल कुमार दुबे ने बताया कि ईरी के विशेषज्ञों ने अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, अनुभव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, और अनुभव पाण्डेय का चयन प्रशिक्षण देने के लिए किया है। कुलपति डा. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ईरी में प्रशिक्षण लेंगे एमजीयूजी के कृषि विद्यार्थी

गोरखपुर, १७ जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय के स्नातक कृषि ऑनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी) दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है।

यह जानकारी देते हुए कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने बताया कि ईरी के विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन के उपरांत 13 विद्यार्थियों अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, अनुभव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, और अनुभव पाण्डेय का चयन प्रशिक्षण देने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि ईरी विश्व की अग्रिम संस्थाओं में से एक है जो चावल शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही है। एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम बसरुल्लाह साह से बदलकर नसरूल्लाह साह रख लिया है।अब मुझे इसी नाम से जाना एवं समझा जाए। **नसरूल्लाह साह** पुत्र मुजीम साह निवासी बेलवा जंगल मटियारवा टोला, पोस्ट बेलवा, जिला कुशीनगर

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम शौकत अली नसीम अहमद SHAUKAT ALI NASIM AHMAD से बदल कर नसीम अहमद NASIM AHMAD रख लिया है।अब मुझे इसी नाम से जाना एवं समझा जाए। **नसीम अहमद** पुत्र शौकत अली अमीन निवासी छितही, पोस्ट छितही, जिला सन्तकबीरनगर 272172

निरोगी रहने को पारंपरिक खानपान व आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक-डॉ. अनुराग

गोरखपुर, , १७ जून। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में एक विशिष्ट संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'जीवनशैली

❑योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी- डॉ. तोमर

जन्य रोगों का प्रबंधन - एक समग्र दृष्टिकोण' विषयक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान दौर में निरोगी रहने के लिए पारंपरिक भारतीय खानपान और आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक है।

डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि आयुर्वेद एक अत्यंत वैज्ञानिक एवं समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने वाला चिकित्सा विज्ञान है। यह आज की जीवनशैली जनित व्याधियों के प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी हो सकता है। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए 'योग-संगम' की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने इन्टीग्रेटिव विजडम की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आयुर्वेद, एलोपैथी, आयुर्जेनोमिक्स तथा आधुनिक अनुसंधान के समन्वय से ही एक सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण संभव है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य ये त्रय उपस्तंभ हैं, जिनकी उपेक्षा वर्तमान समय की अधिकांश व्याधियों का मूल कारण है।

इस परिस्थिति में आयुर्वेद और योग को अपनाना होगा। योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है। डॉ. तोमर ने कहा कि किसी भी चिकित्सा पद्धति की आलोचना न करते हुए सभी पद्धतियों को पूरक रूप में अपनाया जाना चाहिए।

स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम और आभार ज्ञापन क्रिया शरीर विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवोदय राजू ने किया। संगोष्ठी में शिक्षकों और विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

समाचार दर्पण

आरामतलब जीवनशैली से बढ़ रहे हैं गठिया के मरीज-डॉ. तोमर

❖ महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम में निःशुल्क चिकित्सा शिविर

गोरखपुर, १६ जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, बालापार में सोमवार को निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर द्वारा 147 रोगियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया। इनमें अधिकांश रोगी गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास रोग एवं लिवर की बीमारियों के मिले। रोगियों को औषधियों के साथ खानपान एवं योगासनों की जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर रोगियों की मुफ्त बीएमडी जांच भी की गई। शिविर में डॉ. तोमर ने रोगियों से चर्चा करते हुए कहा कि खानपान की अनियमितता के साथ साथ व्यायाम रहित आरामतलब जीवनशैली से वृद्धों में ही नहीं युवाओं में भी गठिया का प्रकोप निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि उत्पादक वय वर्ग के लोगों के इससे ग्रस्त होने से देश की उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव डल रही है। इसका सीधा प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इससे बचने के लिये हमें स्वस्थ जीवनशैली एवं आहार-विहार की जानकारी जन जन तक पहुंचानी होगी। डॉ. तोमर ने शिविर में आए लोगों को मधुमेह के लक्षण, कारण, बचाव और निदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योगपरक जीवनशैली और आयुर्वेद को अपनाकर मधुमेह से बचा जा सकता है।

उर्दू विभाग के अध्यक्ष बने प्रो. राजवंत राव

गोरखपुर, १६ जून। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहासविद प्रोफेसर राजवंत राव ने आज उर्दू विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया. प्रोफेसर रजीउर रहमान अपनी सुदीर्घ शैक्षणिक सेवा एवं अध्यक्षीय कार्यकाल सफलतापूर्वक संपन्न कर आज कृतकार्य हो गए.कला संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर राजवंत राव संस्कृत एवं दर्शनशास्त्र विभाग के साथ ही अब उर्दू विभाग के भी अध्यक्षीय दायित्व का निर्वहन करेंगे।

विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने देखे 147 मरीज

आरामतलब जीवनशैली से बढ़ रहे हैं गठिया के मरीज : डॉ. तोमर

गोरखपुर, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, बालापार में सोमवार को निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर द्वारा 147 रोगियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया। इनमें अधिकांश रोगी गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास रोग एवं लिवर की बीमारियों के मिले। रोगियों को औषधियों के साथ खानपान एवं योगासनों की जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर रोगियों की मुफ्त बीएमडी जांच भी की गई। शिविर में डॉ तोमर ने रोगियों से चर्चा करते हुए कहा कि खानपान की अनियमितता के साथ साथ व्यायाम रहित आरामतलब जीवनशैली से वृद्धों में ही नहीं युवाओं में भी गठिया का प्रकोप निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि उत्पादक वय वर्ग के लोगों के इससे ग्रस्त होने से देश की उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव डाल रही है । इसका सीधा प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इससे बचने के लिये हमें स्वस्थ जीवनशैली एवं आहार-विहार की जानकारी जन जन तक पहुंचानी होगी। डॉ. तोमर ने शिविर में आए लोगों को मधुमेह के लक्षण, कारण, बचाव और निदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योगपरक जीवनशैली और आयुर्वेद को अपनाकर मधुमेह से बचा जा सकता है।

मधुमेह से बचने के लिए आयुर्वेद अपनाएं : डॉ. जीएस तोमर

» महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम में लगा निशुल्क चिकित्सा शिविर

गोरखपुर। बालापार स्थित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, में निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने 147 रोगियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया। परामर्श लेने वालों में अधिकांश रोगी गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास रोग एवं लिवर की बीमारियों के मिले।

रोगियों को औषधियों के साथ खानपान एवं योगासनों की जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर रोगियों की मुफ्त बीएमडी जांच भी की गई।

डॉ तोमर ने रोगियों से चर्चा करते हुए कहा कि खानपान की अनियमितता के साथ साथ व्यायाम रहित आरामतलब जीवनशैली से वृद्धों में ही नहीं युवाओं में भी गठिया का प्रकोप निरंतर बढ़ रहा है।

उन्होंने बताया कि उत्पादक वय वर्ग के लोगों के इससे ग्रस्त होने से देश की उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव डाल रही है। इसका सीधा प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

इससे बचने के लिये हमें स्वस्थ जीवनशैली एवं आहार-विहार की जानकारी जन जन तक पहुंचानी होगी।

डॉ. तोमर ने शिविर में आए लोगों को मधुमेह के लक्षण, कारण, बचाव और निदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मधुमेह से बचने के लिए योगपरक जीवनशैली तथा आयुर्वेद को अपनाना आवश्यक है।

आरामतलब जीवनशैली से बढ़ रहे हैं गठिया के मरीज : डॉ. तोमर

- महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम में निशुल्क चिकित्सा शिविर
- विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने देखे 147 मरीज

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, बालापार में सोमवार को निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर द्वारा 147 रोगियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया। इनमें अधिकांश रोगी गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास रोग एवं लिवर की बीमारियों के मिले। रोगियों को औषधियों के साथ खानपान एवं योगासनों की जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर रोगियों की मुफ्त बीएमडी जांच भी की गई। शिविर में डॉ तोमर ने रोगियों से चर्चा करते हुए कहा कि खानपान की अनियमितता के साथ साथ व्यायाम रहित आरामतलब जीवनशैली से वृद्धों में ही नहीं युवाओं में भी गठिया का प्रकोप निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि उत्पादक वय वर्ग के लोगों के इससे ग्रस्त होने से देश की उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव डाल रही है । इसका सीधा प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इससे बचने के लिये हमें स्वस्थ जीवनशैली एवं आहार-विहार की जानकारी जन जन तक पहुंचानी होगी। डॉ. तोमर ने शिविर में आए लोगों को मधुमेह के लक्षण, कारण, बचाव और निदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योगपरक जीवनशैली और आयुर्वेद को अपनाकर मधुमेह से बचा जा सकता है।

मुंबई - मंगलवार, 17 जून, 2025

देश/विदेश

पारंपरिक भारतीय खानपान और आयुर्वेदिक जीवनशैली आधुनिक युग में मार्गदर्शक - डॉ अनुराग श्रीवास्तव

योग एवं आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी - डॉ जी एस तोमर

गोरखपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 16 जून 2025 को सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का आयोजन विश्व आयुर्वेद मिशन एवं हमिल फार्मास्युटिकल्स के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। संगोष्ठी का प्रमुख विषय था- 'लाइफस्टाइल रोगों का प्रबंधन - एक समग्र दृष्टिकोण'।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं भगवान धन्वंतरि वंदना के साथ हुई। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एवं कुलसचिव महोदय द्वारा संगोष्ठी के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं। प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि सरकार द्वारा इस अभिनव प्रयास को 'योग संगम' के रूप में मान्यता प्राप्त है। संस्थान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 उत्सव सप्ताह के भाग के रूप में सेमिनार का आयोजन किया गया है। मुख्य अतिथि डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज ने अपने व्याख्यान में बताया कि आयुर्वेद एक अत्यंत वैज्ञानिक एवं समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने वाला चिकित्सा विज्ञान है, जो आज की जीवनशैली जनित व्याधियों के प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी हो सकता है। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए 'योग-संगम' की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद और योग का समन्वय आज की स्वास्थ्य समस्याओं का प्रभावी समाधान प्रस्तुत कर सकता है। उन्होंने इन्टीग्रेटिव विज़डम की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आयुर्वेद, एलोपैथी, आयुर्जीनोमिक्स तथा आधुनिक अनुसंधान के समन्वय से ही एक सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि पारंपरिक भारतीय खानपान और आयुर्वेदिक जीवनशैली आधुनिक युग में मार्गदर्शक सिद्ध हो सकती है, विशेषकर कैंसर जैसी बीमारियों की रोकथाम में।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने उद्बोधन में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जी.एस. तोमर ने कहा कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य - ये त्रय उपस्तंभ हैं, जिनकी उपेक्षा वर्तमान समय की अधिकांश व्याधियों का मूल कारण है। उन्होंने कहा कि 'अत्यधिक भोजन ही सभी रोगों की जड़ है' और भारतीय संस्कृति में रसोईघर की भूमिका को समझना अत्यावश्यक है। उन्होंने बताया कि 80 प्रतिशत रोग केवल उचित इतिहास लेखन से ही पहचाने जा सकते हैं। उन्होंने तम्बाकू युक्त गुटका छुड़ाने के लिए हर्बल गुटका के निर्माण का भी उल्लेख किया जिसमें सौंफ, दालचीनी, काली मिर्च एवं इलायची जैसे औषधीय घटक सम्मिलित हैं, जो मुँह के कैंसर की रोकथाम में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। डॉ. तोमर ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी चिकित्सा पद्धति की आलोचना न करते हुए सभी पद्धतियों को पूरक रूप में अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि [illegible] कीमोथैरेपी एवं रेडियोथैरेपी के दुष्प्रभावों को भी कम करने में सक्षम है। उन्होंने मधुमेह (डायबिटीज) के नियंत्रण में आयुर्वेद, पथ्य एवं जीवनचर्या की भूमिका को भी प्रभावशाली बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ. संचित शर्मा, निदेशक, एमिल फार्मास्युटिकल्स ने 'जीवनशैली विकारों का प्रबंधन - डायबिटीज, हाइपरलिपिडेमिया एवं किडनी रोग' विषय पर सविस्तार जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमिल कंपनी आयुर्वेद के एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से कार्य कर रही है और अनेक गंभीर रोगों के समाधान हेतु आयुर्वेदिक औषधियों का नवाचार कर रही है।

उन्होंने भारत में डायबिटीज की भयावह स्थिति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान में देश में 100 मिलियन से अधिक लोग डायबिटीज या प्रीडायबिटीज से ग्रसित हैं, जिनमें से 15-20 प्रतिशत में क्रॉनिक किडनी डिज़ीज़ विकसित हो जाती है और 54 प्रतिशत में इंसुलिन सहनशीलता की समस्या देखी जाती है।

उन्होंने बताया कि डायबिटीज से हर वर्ष 3.4 मिलियन लोगों की मृत्यु होती है और भारत को 'डायबिटीज की राजधानी' कहा जाने लगा है। उन्होंने बीजीआर -34 आयुर्वेदिक औषधि का उल्लेख किया जो ग्लूकोज को नियंत्रित करने में सहायक है और जिसमें 34 औषधीय घटक शामिल हैं। उन्होंने दूसरी प्रमुख औषधि एमरी प्लस का भी उल्लेख किया, जो एंटीहाइपरग्लाइसेमिक होने के साथ-साथ महत्वपूर्ण अंगों के लिए टॉनिक का कार्य करती है और इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने में भी सहायक है।

यह संगोष्ठी आयुर्वेद, योग और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय से जनस्वास्थ्य को एक समग्र दिशा प्रदान करने वाला अत्यंत प्रभावी एवं प्रेरणादायक मंच सिद्ध हुई। वक्ताओं ने यह स्पष्ट किया कि केवल औषधि नहीं, अपितु समग्र जीवनशैली सुधार ही दीर्घकालिक स्वास्थ्य का मूलमंत्र है।

कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन क्रिया शरीर विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवोदय राजू द्वारा प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान सत्र में सम्बद्ध विश्वविद्यालय के आयुर्वेद विभाग के प्राचार्य, समस्त आचार्यगण एवं छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आरामतलब जीवनशैली से बढ़ रहे हैं गठिया के मरीज : डॉ. तोमर

- महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम में निशुल्क चिकित्सा शिविर
- विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने देखे 147 मरीज

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, बालापार में सोमवार को निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर द्वारा 147 रोगियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया। इनमें अधिकांश रोगी गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास रोग एवं लिवर की बीमारियों के मिले। रोगियों को औषधियों के साथ खानपान एवं योगासनों की जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर रोगियों की मुफ्त बीएमडी जांच भी की गई। शिविर में डॉ तोमर ने रोगियों से चर्चा करते हुए कहा कि खानपान की अनियमितता के साथ साथ व्यायाम रहित आरामतलब जीवनशैली से वृद्धों में ही नहीं युवाओं में भी गठिया का प्रकोप निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि उत्पादक वय वर्ग के लोगों के इससे ग्रस्त होने से देश की उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव डाल रही है। इसका सीधा प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इससे बचने के लिये हमें स्वस्थ जीवनशैली एवं आहार-विहार की जानकारी जन जन तक पहुंचानी होगी। डॉ. तोमर ने शिविर में आए लोगों को मधुमेह के लक्षण, कारण, बचाव और निदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योगपरक जीवनशैली और आयुर्वेद को अपनाकर मधुमेह से बचा जा सकता है।

17/6/2025 **हिन्दुस्तान**

आरामतलब जीवनशैली से बढ़ रहे गठिया के मरीज

जांच शिविर

- महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में लगा स्वास्थ्य शिविर
- मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने की 147 मरीजों की जांच

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, बालापार में सोमवार को निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर द्वारा 147 मरीजों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया। इनमें अधिकांश मरीज गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सांस रोग एवं लिवर की बीमारियों के मिले। मरीजों को औषधियों के साथ खानपान एवं योगासनों की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर मरीजों की मुफ्त बीएमडी जांच भी की गई।

गोरखनाथ विवि में आयोजित शिविर में मरीजों की जांच करते डॉ. जीएस तोमर।

शिविर में डॉ. तोमर ने रोगियों से चर्चा करते हुए कहा कि खानपान की अनियमितता के साथ-साथ व्यायाम रहित आरामतलब जीवनशैली से वृद्धों में ही नहीं युवाओं में भी गठिया का प्रकोप निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि उत्पादक वर्ग के लोगों के इससे ग्रस्त होने से देश की उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव डाल रही है।

इसका सीधा प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इससे बचने के लिये हमें स्वस्थ जीवनशैली एवं आहार-विहार की जानकारी जन-जन तक पहुंचानी होगी। डॉ. तोमर ने शिविर में आए लोगों को मधुमेह के लक्षण, कारण, बचाव और निदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योगपरक जीवनशैली और आयुर्वेद को अपनाकर मधुमेह से बचा जा सकता है।

---

147 patients seen in free medical camp

Country's productivity affected by arthritis - Dr. GS Tomar

Gorakhpur: International President of Vishwa Ayurveda Mission Prof. (Dr.) GS Tomar provided medical consultation to 147 patients in a free medical camp organized at Mahant Digvijay Nath Ayurveda Hospital Arogyadham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur. Most of these patients were found to be suffering from arthritis, diabetes, high blood pressure, respiratory diseases and liver diseases. Patients were also provided information about diet and yogasanas along with medicines.

On this occasion, free BMD checkup of the patients was also done. Dr. Tomar said that due to irregularity in diet and a comfortable lifestyle without exercise, the incidence of arthritis is increasing not only in the elderly but also in the youth. He said that people of productive age group suffering from it is adversely affecting the productivity of the country. This has a direct impact on our economy. To avoid this, we will have to spread information about healthy lifestyle and diet to the masses.

आरामतलब जीवनशैली से बढ़ रहे गठिया के मरीज

जांच शिविर

- महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में लगा स्वास्थ्य शिविर
- मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने की 147 मरीजों की जांच

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, बालापार में सोमवार को निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर द्वारा 147 मरीजों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया। इनमें अधिकांश मरीज गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सांस रोग एवं लिवर की बीमारियों के मिले। मरीजों को औषधियों के साथ खानपान एवं योगासनों की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर मरीजों की मुफ्त बीएमडी जांच भी की गई।

गोरखनाथ विवि में आयोजित शिविर में मरीजों की जांच करते डॉ. जीएस तोमर।

शिविर में डॉ. तोमर ने रोगियों से चर्चा करते हुए कहा कि खानपान की अनियमितता के साथ-साथ व्यायाम रहित आरामतलब जीवनशैली से वृद्धों में ही नहीं युवाओं में भी गठिया का प्रकोप निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि उत्पादक वर्ग के लोगों के इससे ग्रस्त होने से देश की उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव डाल रही है।

इसका सीधा प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इससे बचने के लिये हमें स्वस्थ जीवनशैली एवं आहार-विहार की जानकारी जन-जन तक पहुंचानी होगी। डॉ. तोमर ने शिविर में आए लोगों को मधुमेह के लक्षण, कारण, बचाव और निदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योगपरक जीवनशैली और आयुर्वेद को अपनाकर मधुमेह से बचा जा सकता है।

समाचार दर्पण

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में देखे गए 147 मरीज

गठिया से देश की उत्पादकता प्रभावित - डॉ जी एस तोमर

गोरखपुर। महंत दिग्विजय नाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) जी एस तोमर द्वारा 147 रोगियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया।इनमें अधिकांश रोगी गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास रोग एवं लिवर डिसीजेज के मिले । रोगियों को औषधियों के साथ साथ खान पान एवं योगासनों की जानकारी भी प्रदान की गई । इस अवसर पर रोगियों की मुफ्त बी एम डी जाँच भी की गई । डॉ तोमर ने बताया कि खान पान की अनियमितता के साथ साथ व्यायाम रहित आरामतलब जीवनशैली से वृद्धों में ही नहीं युवाओं में भी गठिया का प्रकोप निरंतर बढ़ रहा है । उन्होंने बताया कि उत्पादक वय वर्ग के लोगों के इससे ग्रस्त होने से देश की उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव डाल रही है । इसका सीधा प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है । इससे बचने के लिये हमें स्वस्थ जीवनशैली एवं आहार विहार की जानकारी जन जन तक पहुँचानी होगी।

आराम तलब जीवनशैली से बढ़ रहे गठिया मरीज

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, बालापार में सोमवार को निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर द्वारा 147 रोगियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया।

चिकित्सकीय परीक्षण कराने वाले अधिकांश रोगी गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास रोग एवं लिवर की बीमारियों के मिले। रोगियों को औषधियों के साथ खानपान एवं योगासनों की जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर रोगियों की मुफ्त बीएमडी जांच भी की गई।शिविर में डॉ तोमर ने रोगियों से चर्चा करते हुए कहा कि खानपान की अनियमितता के साथ-साथ व्यायाम रहित आरामतलब जीवनशैली से वृद्धों में ही नहीं युवाओं में भी गठिया का प्रकोप निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि उत्पादक वय वर्ग के लोगों के इससे ग्रस्त होने से देश की

■ महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में निशुल्क चिकित्सा शिविर

उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव डाल रही है। इसका सीधा प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इससे बचने के लिये हमें स्वस्थ जीवनशैली एवं आहार-विहार की जानकारी जन जन तक पहुंचानी होगी। डॉ. तोमर ने शिविर में आए लोगों को मधुमेह के लक्षण, कारण, बचाव और निदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योगपरक जीवनशैली और आयुर्वेद को अपनाकर मधमेह से बचा जा सकता है।

आरामतलब जीवनशैली से बढ़ रहे हैं गठिया के मरीज : डॉ. तोमर

महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम में निशुल्क चिकित्सा शिविर

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 16 जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, बालापार में सोमवार को निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर द्वारा 147 रोगियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया। इनमें अधिकांश रोगी गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास रोग एवं लिवर की बीमारियों के मिले। रोगियों को औषधियों के साथ खानपान एवं योगासनों की

जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर रोगियों की मुफ्त बीएमडी जांच भी की गई। शिविर में डॉ० तोमर ने रोगियों से चर्चा करते हुए कहा कि खानपान की अनियमितता के साथ साथ व्यायाम रहित आरामतलब जीवनशैली से वृद्धों में ही नहीं युवाओं में भी गठिया का प्रकोप निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि उत्पादक वय वर्ग के लोगों के इससे ग्रस्त होने से देश की उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव डाल रही है। इसका सीधा प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इससे बचने के लिये हमें स्वस्थ जीवनशैली एवं आहार-विहार की जानकारी जन जन तक पहुंचानी होगी। डॉ. तोमर ने शिविर में आए लोगों को मधुमेह के लक्षण, कारण, बचाव और निदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योगपरक जीवनशैली और आयुर्वेद को अपनाकर मधुमेह से बचा जा सकता है।

निरोग रहने के लिए पारंपरिक खानपान जरूरी

गोरखपुर : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मंगलवार को संगोष्ठी आयोजित की गई। विषय था- 'जीवनशैली जन्य रोगों का प्रबंधन : एक समग्र दृष्टिकोण'। मुख्य अतिथि गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डा. अनुराग श्रीवास्तव थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में निरोग रहने के लिए पारंपरिक भारतीय खानपान और आयुर्वेदसम्मत जीवनशैली जरूरी है।

अध्यक्षीय संबोधन में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डा. जीएस तोमर ने कहा कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य, ये त्रय उपस्तंभ हैं, जिनकी उपेक्षा वर्तमान की अधिकांश व्याधियों का मूल कारण है।

इस परिस्थिति में आयुर्वेद और योग को अपनाना होगा। विशिष्ट अतिथि एमिल फार्मास्युटिकल्स के निदेशक डा. संचित शर्मा ने भी संबोधित किया। स्वागत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम और आभार ज्ञापन प्रोफेसर डा. नवोदय राजू ने किया। क्रिया शरीर विभाग के एसोसिएट विज्ञप्ति।

खुद को स्वस्थ रखने के लिए योग से जुड़े एम्स के डाक्टर

एम्स में योगासन करते स्वास्थ्यकर्मी • सौजन्य एम्स गोरखपुर

गोरखपुर : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एम्स गोरखपुर योग सप्ताह की शुरुआत की गई है। 'वन अर्थ, वन हेल्थ हेतु योग' के थीम पर डाक्टर और स्वास्थ्यकर्मी योग से जुड़कर खुद को मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाने में जुटे हैं। आयुष विभाग में आयोजित योग शिविर का शुभारंभ कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत) डा. विभा दत्ता ने किया। योग सप्ताह के अंतर्गत प्रतिदिन एमबीबीएस छात्रों, नर्सिंग छात्रों, नर्सिंग अधिकारियों, प्रशासनिक कर्मचारियों, हाउसकीपिंग व सुरक्षाकर्मियों के लिए योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। डा. एचएल भल्ला, डा. आराधना सिंह, डा. शशिकांत भार्गव और अरुण कुमार पाठक शिविर पर नजर रख रहे हैं। (विज्ञप्ति)।

ईरी में प्रशिक्षण लेंगे एमजीयूजी के कृषि विद्यार्थी

गोरखपुर, १७ जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय के स्नातक कृषि ऑनर्स के 13 विद्यार्थियों का चयन अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी) दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में एक माह के प्रशिक्षण के लिए हुआ है।

यह जानकारी देते हुए कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने बताया कि ईरी के विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन के उपरांत 13 विद्यार्थियों अनिकेत मल्ल, अदिति सिंह, वैष्णवी सिंह, अमित कुमार चौधरी, प्रगति सिंह, खुशी गुप्ता, नीरज यादव, रजनीश चौरसिया, रितु यादव, अनुभव, आकृति तिवारी, मान त्रिपाठी, और अनुभव पाण्डेय का चयन प्रशिक्षण देने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि ईरी विश्व की अग्रिम संस्थाओं में से एक है जो चावल शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही है। एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम बसरुल्लाह साह से बदलकर नसरूल्लाह साह रख लिया है।अब मुझे इसी नाम से जाना एवं समझा जाए। **नसरूल्लाह साह** पुत्र मुजीम साह निवासी बेलवा जंगल मटियारवा टोला, पोस्ट बेलवा, जिला कुशीनगर

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम शौकत अली नसीम अहमद SHAUKAT ALI NASIM AHMAD से बदल कर नसीम अहमद NASIM AHMAD रख लिया है।अब मुझे इसी नाम से जाना एवं समझा जाए। **नसीम अहमद** पुत्र शौकत अली अमीन निवासी छितही, पोस्ट छितही, जिला सन्तकबीरनगर 272172

आरामतलब जीवनशैली से बढ़ रहे हैं गठिया के मरीज:डॉ. तोमर

- 'महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम में निशुल्क चिकित्सा शिविर'
- 'विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने देखे 147 मरीज'

संवाददाता

आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक : डॉ. अनुराग

गोरखपुर(एसएनबी)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विवि (एमजीयूजी) में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'जीवनशैली जन्य रोगों का प्रबंधन एक समग्र दृष्टिकोण' विषयक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान दौर में निरोगी रहने के लिए पारंपरिक भारतीय खानपान और आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक है।

डा. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि आयुर्वेद एक अत्यंत वैज्ञानिक एवं समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने वाला चिकित्सा

■ एमजीयूजी में संगोष्ठी आयोजित

■ योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी : डा. तोमर

विज्ञान है। यह आज की जीवनशैली जनित व्याधियों के प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी हो सकता है। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए 'योग-संगम' की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने इन्टीग्रेटिव विज़डम की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आयुर्वेद, एलोपैथी, आयुर्जेनोमिक्स तथा आधुनिक अनुसंधान के समन्वय से ही एक सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण संभव है। अध्यक्षता करते हुए विवि आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डा. जीएस तोमर ने कहा कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य ये त्रय उपस्तंभ हैं, जिनकी उपेक्षा वर्तमान समय की अधिकांश व्याधियों का मूल कारण है। इस परिस्थिति में आयुर्वेद और योग को अपनाना होगा। योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है। डा. तोमर ने कहा कि किसी भी चिकित्सा पद्धति की आलोचना न करते हुए सभी पद्धतियों को पूरक रूप में अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद कीमोथैरेपी एवं रेडियोथैरेपी के दुष्प्रभावों को भी कम करने में सक्षम है। डॉ. तोमर ने मधुमेह के नियंत्रण में आयुर्वेद, पथ्य एवं जीवनचर्या की भूमिका को भी प्रभावशाली बताया। विशिष्ट अतिथि एमिल फार्मास्युटिकल्स के निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने मधुमेह पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत को मधुमेह की राजधानी कहा जाने लगा है। उन्होंने बीजीआर -34 आयुर्वेदिक औषधि का उल्लेख किया जो ग्लूकोज को नियंत्रित करने में सहायक है और जिसमें 34 औषधीय घटक शामिल हैं। स्वागत संबोधन गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम और आभार ज्ञापन शरीर विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवोदय राजू ने किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर गोरखनाथ विवि में आयोजित संगोष्ठी में अतिथि का भव्य स्वागत।

समाचार दर्पण

आयुर्वेद वैज्ञानिक एवं समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने वाला चिकित्सा विज्ञान : डॉ. अनुराग

» अधिकांश व्याधियों का मूल कारण आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य : डॉ. तोमर

स्वतंत्र चेतना,गोरखपुर। वर्तमान दौर में निरोगी रहने के लिए पारंपरिक भारतीय खानपान और आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक है। आयुर्वेद एक अत्यंत वैज्ञानिक एवं समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने वाला चिकित्सा विज्ञान है। यह आज की जीवनशैली जनित व्याधियों के प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी हो सकता है। यह कहना है गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव का। डॉ. अनुराग अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, जीवनशैली जन्य रोगों का प्रबंधन : एक समग्र दृष्टिकोण विषयक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए हायोग-संगमह्न की महता को रेखांकित किया। उन्होंने इन्टीग्रेटिव विजडम की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आयुर्वेद, एलोपैथी, आयुजेनौमिक्स तथा आधुनिक अनुसंधान के समन्वय से ही एक सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण संभव है।

अध्यक्षता करते हुए विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य ये त्रय उपस्तंभ है, जिनकी उपेक्षा वर्तमान समय की अधिकांश व्याधियों का मूल कारण है। इस परिस्थिति में आयुर्वेद और योग को अपनाना होगा। योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है। डॉ. तोमर ने कहा कि किसी भी चिकित्सा पद्धति की आलोचना न करते हुए सभी पद्धतियों को पूरक रूप में अपनाया जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि एमिल फार्मास्युटिकल्स के निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने मधुमेह पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत को मधुमेह की राजधानी कहा जाने लगा है। उन्होंने बीजीआर -34 आयुर्वेदिक औषधि का उल्लेख किया जो ग्लूकोज को नियंत्रित करने में सहायक है और जिसमें 34 औषधीय घटक शामिल है।

स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम और आभार ज्ञापन क्रिया शरीर विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवोदय राजू ने किया।

निरोगी रहने को पारंपरिक खानपान व आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक : डॉ. अनुराग

योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी : डॉ. तोमर

एमजीयूजी में 'जीवनशैली जन्य रोगों का प्रबंधन : एक समग्र दृष्टिकोण' विषयक संगोष्ठी का आयोजन

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 17 जून। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में एक विशिष्ट संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'जीवनशैली जन्य रोगों का प्रबंधन : एक समग्र दृष्टिकोण' विषयक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान दौर में निरोगी रहने के लिए पारंपरिक भारतीय खानपान और आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक है।

डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि आयुर्वेद एक अत्यंत वैज्ञानिक एवं समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने वाला चिकित्सा विज्ञान है। यह आज की जीवनशैली जनित व्याधियों के प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी हो सकता है। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए 'योग-संगम' की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने इन्टीग्रेटिव विजडम की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आयुर्वेद, एलोपैथी, आयुर्जेनोमिक्स तथा आधुनिक अनुसंधान के समन्वय से ही एक सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण संभव है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य ये त्रय उपस्तंभ हैं, जिनकी उपेक्षा वर्तमान समय की अधिकांश व्याधियों का मूल कारण है। इस परिस्थिति में आयुर्वेद और योग को अपनाना होगा। योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है। डॉ. तोमर ने कहा कि किसी भी चिकित्सा पद्धति की आलोचना न करते हुए सभी पद्धतियों को पूरक रूप में अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद कीमोथैरेपी एवं रेडियोथैरेपी के दुष्प्रभावों को भी कम करने में सक्षम है। डॉ. तोमर ने मधुमेह के नियंत्रण में आयुर्वेद, पथ्य एवं जीवनचर्या की भूमिका को भी प्रभावशाली बताया। विशिष्ट अतिथि एमिल फार्मास्युटिकल्स के निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने मधुमेह पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत को मधुमेह की राजधानी कहा जाने लगा है। उन्होंने बीजीआर -34 आयुर्वेदिक औषधि का उल्लेख किया जो ग्लूकोज को नियंत्रित करने में सहायक है और जिसमें 34 औषधीय घटक शामिल है। स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम और आभार ज्ञापन क्रिया शरीर विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवोदय राजू ने किया। संगोष्ठी में शिक्षकों और विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

निरोगी रहने को पारंपरिक खानपान व आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक : डॉ. अनुराग'

☛'योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी : डॉ. तोमर

☛'एमजीयूजी में 'जीवनशैली जन्य रोगों का प्रबंधन : एक समग्र दृष्टिकोण' विषयक संगोष्ठी का आयोजन

निरोगी रहने को पारंपरिक खानपान व आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक-डॉ. अनुराग

गोरखपुर, , १७ जून। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में एक विशिष्ट संगोष्ठी का आयोजन किया गया।'जीवनशैली

❑योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी- डॉ. तोमर

जन्य रोगों का प्रबंधन : एक समग्र दृष्टिकोण' विषयक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान दौर में निरोगी रहने के लिए पारंपरिक भारतीय खानपान और आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक है।

डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि आयुर्वेद एक अत्यंत वैज्ञानिक एवं समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने वाला चिकित्सा विज्ञान है। यह आज की

जीवनशैली जनित व्याधियों के प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी हो सकता है। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए 'योग-संगम' की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने इन्टीग्रेटिव विजडम की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आयुर्वेद, एलोपैथी, आयुर्जेनोमिक्स तथा आधुनिक अनुसंधान के समन्वय से ही एक सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण संभव है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य ये त्रय उपस्तंभ हैं, जिनकी उपेक्षा वर्तमान समय की अधिकांश व्याधियों का मूल कारण है।

इस परिस्थिति में आयुर्वेद और योग को अपनाना होगा। योग व आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है। डॉ. तोमर ने कहा कि किसी भी चिकित्सा पद्धति की आलोचना न करते हुए सभी पद्धतियों को पूरक रूप में अपनाया जाना चाहिए।

स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम और आभार ज्ञापन क्रिया शरीर विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवोदय राजू ने किया। संगोष्ठी में शिक्षकों और विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

राष्ट्रीय शिविर में शामिल होंगे एमजीयूजी के तीन एनसीसी कैडेट

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के तीन एनसीसी (नेशनल कैडेट कोर) कैडेट, सीमा दर्शन टूर एंड ट्रैक राष्ट्रीय शिविर बरेली में शामिल होंगे। 1 से 8 जून तक आयोजित राष्ट्रीय शिविर में 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय से कुल पांच कैडेट का चयन राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ है जिनमें से तीन एमजीयूजी के हैं। एमजीयूजी के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय के तीन कैडेट लांस कॉरपोरल हर्षव साहनी, कैडेट अरुण विश्वकर्मा और आलोक दीक्षित बटालियन का प्रतिनिधत्व करेंगे। एमजीयूजी के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने राष्ट्रीय शिविर में चयनित कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि पूर्ण विश्वास है कैडेट्स अनुशासन के साथ सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण कर नई उपलब्धियों से विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

जीवन शैली जनित व्याधियों में प्रभावी हो सकता है आयुर्वेद

गोरखपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में मंगलवार को 'जीवनशैली जन्य रोगों का प्रबंधन : एक समग्र दृष्टिकोण' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान दौर में निरोगी रहने के लिए पारंपरिक भारतीय खान-पान और आयुर्वेद सम्मत जीवनशैली मार्गदर्शक है। आयुर्वेद अत्यंत वैज्ञानिक एवं समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने वाला चिकित्सा विज्ञान है। यह आज की जीवनशैली जनित व्याधियों के प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी हो सकता है। ब्यूरो

एमजीयूजी में कराया सामूहिक योगाभ्यास

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह समारोह के तहत गुरुवार को योग का सामूहिक अभ्यास कराया गया।

प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओं एवं प्राणायामों का अभ्यास किया। योग अभ्यास के बाद बीएएमएस के विभिन्न हाउसों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। संयोजन रासेयो के डॉ. वैसाख और योगाचार्य चन्द्रजीत यादव ने किया। शिविर में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. सुमित, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. विष्णु, डॉ. श्री लक्ष्मी, डॉ. जितेन्द्र, डॉ. नवोदय राजू, डॉ. साध्वी नन्दन, डॉ. श्रीनाथ आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

योग का सामूहिक अभ्यास

गोरखपुर, १९ जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के पंचाकर्मा सभागार में अंतराष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह समारोह के अंतर्गत गुरुवार को प्रात:कालीन सत्र में योग का सामूहिक अभ्यास कराया गया। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओं एवं प्राणायामों का अभ्यास किया। योग अभ्यास के उपरांत, महाविद्यालय परिसर में एक योग विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया,।

विद्यार्थियों ने योग मुद्राओं और प्राणायाम का किया अभ्यास

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के पंचाकर्मा सभागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह समारोह के अंतर्गत गुरुवार को प्रातःकालीन सत्र में योग का सामूहिक अभ्यास कराया गया। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओं एवं प्राणायामों का अभ्यास किया। योग अभ्यास के उपरांत, महाविद्यालय परिसर में एक योग विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बीएएमएस के विभिन्न हाउसों के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता दिखाई। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों की ज्ञान-संपन्नता, तथा योग संबंधी शास्त्रीय समझ को परखने हेतु आयोजित की गई थी। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा. वैसाख और योगाचार्य चन्द्रजीत यादव ने किया। योग शिविर में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, उप प्राचार्य डा. सुमित, डा. दीपू मनोहर, डा. विष्णु, डा. श्री लक्ष्मी, डा. जितेन्द्र, डा. नवोदय राजू, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डा. श्रीनाथ, सहित सभी प्राध्यापक और बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आरोग्य पथ

समाचार दर्पण

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

योग भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर : कुलपति डॉ सुरिंदर सिंह

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भव्य रूप

से मनाया गया। योगाभ्यास का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, मुख्य अतिथि एनसीसी 102 यूपी बटालियन के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा और आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदांतम ने दीप प्रज्वलन कर किया। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओं एवं प्राणायामों का अभ्यास किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ सुरिंदर सिंह ने 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर कहा कि योग तनाव से मुक्ति देता है। योग भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्तर पर संतुलन बनाने की कला है। वर्तमान परिवेश में नियमित योग अभ्यास जीवन जीने की संजीवनी देगा। आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि योग में ध्यान, प्राणायाम और धारणा जैसी क्रियाएं मानसिक तनाव को कम करती हैं। योग जीवन को गहरे अर्थों की ओर ले जाता है, जिससे व्यक्ति में करुणा, सह-अस्तित्व और प्रकृति के प्रति श्रद्धा उत्पन्न होती है। पृथ्वी को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखना हैं, तो केवल वैज्ञानिक उपाय ही नही, बल्कि योग भी एक ऐसी पद्धति है जो हमें सतत विकास, पर्यावरणीय संरक्षण और समग्र स्वास्थ्य की दिशा में मार्गदर्शन देता है। मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि हठयोग, कुण्डलिनी यो, और शरीर साधना नाथ संप्रदाय का एक महत्वपूर्ण अंग है। नाथ योगियों ने न केवल भारत, बल्कि नेपाल, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड आदि देशो में योग का प्रचार किया। उनकी परंपरा आज भी नेपाल के पशुपतिनाथ, गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर, और हिमालय के विभिन्न आश्रमों में जीवंत रूप में विद्यमान है। योग को केवल आत्मकल्याण के लिए नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण के लिए एक क्रांतिकारी साधन के रूप में अपनाया। आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ अखिलेश दुबे ने किया। योगाभ्यास में प्रमुख रूप से उप कुलसचिव श्रीकांत, अकादमिक अधिष्ठाता डॉ प्रशांत मूर्ति, डॉ.रघुराम आचार्य, डॉ.मधुसूदन पुरोहित, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ शशि कांत सिंह, अश्वनी कुमार, डॉ मिनी.के, डॉ सुमित, गुरनाम सिंह, युसुफ खान, लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ पवन कन्नौजिया, डॉ विकास यादव, डॉ प्रिया आर, डॉ दीपू मनोहर, कार्यक्रम अधिकारी डॉ श्रीनाथ आर, डॉ वैशाख आर, अनिल कुमार, रश्मि झा, कविता साहनी, सुमन यादव, वत्स त्रिवेदी, अविनाश कमल मिश्रा आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

योग भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर : कुलपति डॉ सुरिंदर सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मनाया गया 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भव्य रूप से मनाया गया। मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि हठयोग, कुण्डलिनी योग, और शरीर साधना नाथ संप्रदाय का एक महत्वपूर्ण अंग है। नाथ योगियों ने न केवल भारत, बल्कि नेपाल, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड आदि देशो में योग का प्रचार किया। उनकी परंपरा आज भी नेपाल के पशुपतिनाथ, गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर और हिमालय के विभिन्न आश्रमों में जीवंत रूप में विद्यमान है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर कहा कि योग भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्तर पर संतुलन बनाने की कला है। आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि योग में ध्यान, प्राणायाम और धारणा जैसी क्रियाएं मानसिक तनाव को कम करती हैं। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओं एवं प्राणायामों का अभ्यास किया।

आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे ने किया। योगाभ्यास में प्रमुख रूप से उप कुलसचिव श्रीकांत, अकादमिक अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत मूर्ति, डा.रघुराम आचार्य, डा.मधुसूदन पुरोहित, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डा. शशि कांत सिंह, अश्वनी कुमार, डा. मिनी के, डा. सुमित, गुरनाम सिंह, युसुफ खान, लेफ्टिनेंट डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डा. पवन कन्नौजिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस'

योग भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर : कुलपति डॉ सुरिंदर सिंह'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भव्य रूप से मनाया गया। योगाभ्यास का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, मुख्य अतिथि एनसीसी 102 यूपी बटालियन के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा और आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदांतम ने दीप प्रज्वलन कर किया। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन मे विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम–विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओ एवं प्राणायामो का अभ्यास किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ सुरिंदर सिंह ने श्एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योगश विषय पर कहा कि योग तनाव से मुक्ति देता है। योग भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्तर पर संतुलन बनाने की कला है। वर्तमान परिवेश मे नियमित योग अभ्यास जीवन जीने की संजीवनी देगा। आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि योग में ध्यान, प्राणायाम और धारणा जैसी क्रियाएं मानसिक तनाव को कम करती है। योग जीवन को गहरे अर्थो की ओर ले जाता है, जिससे व्यक्ति मे करुणा, सह–अस्तित्व और प्रकृति के प्रति श्रद्धा उत्पन्न होती है। पृथ्वी को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखना है, तो केवल वैज्ञानिक उपाय ही नही, बल्कि योग भी एक ऐसी पद्धति है जो हमें सतत विकास, पर्यावरणीय संरक्षण और समग्र स्वास्थ्य की दिशा में मार्गदर्शन देता है। मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि हठयोग, कुण्डलिनी यो, और शरीर साधना नाथ संप्रदाय का एक महत्वपूर्ण अंग है। नाथ योगियों ने न केवल भारत, बल्कि नेपाल, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड आदि देशो में योग का प्रचार किया। उनकी परंपरा आज भी नेपाल के पशुपतिनाथ, गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर, और हिमालय के विभिन्न आश्रमों में जीवंत रूप में विद्यमान है। योग को केवल आत्मकल्याण के लिए नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण के लिए एक क्रांतिकारी साधन के रूप मे अपनाया। आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ अखिलेश दुबे ने किया। योगाभ्यास में प्रमुख रूप से उप कुलसचिव श्रीकांत, अकादमिक अधिष्ठाता डॉ प्रशांत मूर्ति, डॉ.रघुराम आचार्य, डॉ.मधुसूदन पुरोहित, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ शशि कांत सिंह, अश्वनी कुमार, डॉ मिनी.के, डॉ सुमित, गुरनाम सिंह, यूसुफ खान, लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ पवन कन्नौजिया, डॉ विकास यादव, डॉ प्रिया आर, डॉ दीपू मनोहर, कार्यक्रम अधिकारी डॉ श्रीनाथ आर, डॉ वैशाख आर, अनिल कुमार, रश्मि झा, कविता साहनी, सुमन यादव, वत्स त्रिवेदी, अविनाश कमल मिश्रा आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है : कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया

पूर्वा टाइम्स - हरिकेश सिंह

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा (एनसीसी 102 यूपी बटालियन) व आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम आदि योग क्रियाओं का अभ्यास किया। कुलपति डॉ. सिंह ने 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर कहा कि योग मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाकर आत्मिक और शारीरिक संतुलन स्थापित करता है। यह भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो जीवन को संजीवनी प्रदान करती है। प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि योग मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन बनाता है। यह करुणा, सह-अस्तित्व और प्रकृति के प्रति श्रद्धा जगाता है, जो सतत विकास के लिए आवश्यक है। मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि नाथ योगियों ने भारत ही नहीं, नेपाल, तिब्बत, श्रीलंका, चीन जैसे देशों में भी योग का प्रचार किया। योग आत्मकल्याण के साथ-साथ मानवता के कल्याण का भी माध्यम है। कार्यक्रम में उप कुलसचिव श्रीकांत, डॉ. प्रशांत मूर्ति, डॉ. रघुराम आचार्य, डॉ. मधुसूदन पुरोहित, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. मिनी.के., डॉ. प्रिया आर, डॉ. सुमित, डॉ. विकास यादव सहित कई शिक्षक, अधिकारी व छात्र शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश दुबे (एनएसएस समन्वयक) ने किया।

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में कराया गया योग का सामूहिक अभ्यास

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 19 जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के पंचकर्मा सभागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह समारोह के अंतर्गत गुरुवार को प्रातःकालीन सत्र में योग का सामूहिक अभ्यास कराया गया।

योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओं एवं प्राणायामों का अभ्यास किया। योग अभ्यास के उपरांत, महाविद्यालय परिसर में एक योग विषयक

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बीएएमएस के विभिन्न हाउसों के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता दिखाई। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों की ज्ञान-संपन्नता, तथा योग संबंधी शास्त्रीय समझ को परखने हेतु आयोजित की गई थी। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैसाख और योगाचार्य चन्द्रजीत यादव ने किया।

योग शिविर में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ॰ गिरिधर वेदांतम, उप प्राचार्य डॉ॰ सुमित, डॉ॰ दीपू मनोहर, डॉ॰ विष्णु, डॉ॰ श्री लक्ष्मी, डॉ॰ जितेन्द्र, डॉ॰ नवोदय राजू, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ॰ साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ॰ श्रीनाथ, सहित सभी प्राध्यापक और बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद कालेज में कराया गया योगाभ्यास

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के पंचकर्म सभागार में गुरुवार को योगाभ्यास कराया गया। विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम–विलोम का अभ्यास किया। योग विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। संयोजक डा. वैसाख व योगाचार्य चंद्रजीत यादव थे। इस अवसर पर प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, उप प्राचार्य डा. सुमित, डा. दीपू मनोहर उपस्थित थे। विज्ञप्ति।

आरोग्य पथ

समाचार दर्पण

आयुर्वेद में प्रभावी हो सकता एआई का उपयोग : अविनाश त्रिपाठी

- एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में विशेष संगोष्ठी का आयोजन

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के पंचकर्म विभाग में "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और

आयुर्वेद चिकित्सा" विषय पर विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य वक्ता देश के टॉप टेन एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) विशेषज्ञों में शामिल अविनाश त्रिपाठी उपस्थित रहे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए श्री त्रिपाठी ने कहा कि एआई का उपयोग आयुर्वेद शिक्षा, नैदानिक निर्णयों, अनुसंधान और चिकित्सा प्रबंधन में प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को नए स्तर पर ले जा सकती हैं। श्री त्रिपाठी ने एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज को आधुनिकता और परंपरा के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। संगोष्ठी की अध्यक्षता आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने की। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी, पंचकर्म विभाग के अध्यक्ष डा. श्रीधर, शिशु एवं बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी सहित कई शिक्षक और बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गोरखपुर में मिलने लगी विश्व स्तरीय पंचकर्म चिकित्सा की सुविधा

पंचकर्म चिकित्सा से लाभान्वित कानपुर की आकांक्षा

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज में सीएम योगी के विजन से मिल रही सेवा
- पंचकर्म केंद्र में 11 कॉटेज में हो रहा इलाज, संतुष्ट होकर जा रहे लोग
- 01 जुलाई को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु करेंगी पंचकर्म केंद्र का औपचारिक लोकार्पण

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर में मिलने लगी विश्व स्तरीय पंचकर्म चिकित्सा की सुविधा

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज में सीएम योगी के विजन से मिल रही सेवा
- पंचकर्म केंद्र में 11 कॉटेज में हो रहा इलाज, संतुष्ट होकर जा रहे लोग
- 01 जुलाई को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु करेंगी पंचकर्म केंद्र का औपचारिक लोकार्पण

संवाददाता

गोरखपुर, 25 जून। कई गंभीर बीमारियों में कारगर माने जाने वाले आयुर्वेद के पंचकर्म चिकित्सा की विश्व स्तरीय सुविधा अब गोरखपुर में भी मिलने लगी है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के आयुर्वेद कॉलेज (गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल ...

आयुर्वेद में प्रभावी हो सकता एआई का उपयोग : अविनाश त्रिपाठी

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में विशेष संगोष्ठी का आयोजन

पूर्वा टाइम्स- हरिकेश सिंह

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के पंचकर्म विभाग में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आयुर्वेद चिकित्सा' विषय पर विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य वक्ता देश के टॉप टेन एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) विशेषज्ञों में शामिल अविनाश त्रिपाठी उपस्थित रहे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए श्री त्रिपाठी ने कहा कि एआई का उपयोग आयुर्वेद शिक्षा, नैदानिक निर्णयों, अनुसंधान और चिकित्सा प्रबंधन में प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को नए स्तर पर ले जा सकती हैं। श्री त्रिपाठी ने एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज को आधुनिकता और परंपरा के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। संगोष्ठी की अध्यक्षता आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने की। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी, पंचकर्म विभाग के अध्यक्ष डा. श्रीधर, शिशु एवं बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी सहित कई शिक्षक और बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गोरखपुर में विश्व स्तरीय पंचकर्म चिकित्सा की सुविधा

1 जुलाई को राष्ट्रपति करेंगी उद्घाटन

पूर्वा टाइम्स समाचार

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) के आयुर्वेद कॉलेज में अब विश्व स्तरीय पंचकर्म चिकित्सा की सुविधा मिलने लगी है। यहाँ पंचकर्म केंद्र में 11 कॉटेज, पुरुष-महिला चिकित्सा कक्ष, परामर्श व तैयारी कक्ष सहित उच्चस्तरीय सुविधा मौजूद है। इसका औपचारिक लोकार्पण 01 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप शुरू हुए इस केंद्र में प्रतिदिन लगभग 50 पंचकर्म प्रक्रियाएं हो रही हैं। डॉ. श्रीधर के अनुसार, यहाँ नसों की बीमारी, अस्थमा, मोटापा, जोड़ दर्द, थायराइड, मधुमेह, सियाटिका, स्ट्रोक आदि रोगों का पंचकर्म की वमन, विरेचन, नस्य, बस्ती व रक्तमोक्षण प्रक्रियाओं से सफल इलाज हो रहा है। कई गंभीर रोगों से पीड़ित मरीज यहां राहत पा रहे हैं। कानपुर की आकांक्षा, जो 13 वर्षों से ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया से पीड़ित थीं, अब सर्जरी की आवश्यकता नहीं समझतीं। सरहरी के रामकृष्ण प्रजापति की पत्नी, लखनऊ से इलाज करा रहीं रंजू देवी, तथा घुटने के दर्द से पीड़ित बुजुर्ग अजहरुन्निशा को भी संतोषजनक परिणाम मिले हैं। यह सुविधा पूर्वी उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों से भी आने वाले रोगियों को सिर्फ लागत दर पर उपलब्ध कराई जा रही है।

समाचार दर्पण

इंटरनेट मीडिया पोस्टिंग में उत्कर्ष का प्रदर्शन

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र उत्कर्ष सिंह ने 'छात्र-पुलिस अनुभवात्मक प्रशिक्षण फेज 2.0' में इंटरनेट मीडिया पोस्टिंग श्रेणी में प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया गया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के उत्कर्ष सिंह को सम्मानित करते कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह व अन्य • सौ. गोरखनाथ विश्वविद्यालय

उत्कर्ष विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक हैं। उत्कर्ष सिंह को प्रशस्ति पत्र उत्तर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक (नियम एवं ग्रंथ विभाग) द्वारा जारी किया गया, जिसे कुलपति डा. सुरिंदर सिंह और पुलिस क्षेत्राधिकारी विजय आनंद शाही द्वारा प्रदान किया गया। कुलपति ने उत्कर्ष के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व व सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करते हैं। ऐसे छात्र भविष्य में पुलिस मित्र बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम होंगे। विज्ञप्ति।

आयुर्वेद कॉलेज की ओपीडी में हुआ सुवर्णप्राशन संस्कार

गोरखपुर, २७ जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरखनाथ

इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) की ओपीडी में शुक्रवार को सुवर्णप्राशन संस्कार (आयुर्वेदिक टीकाकरण) का आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम आयुर्वेद कॉलेज के प्रधानाचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, चिकित्सा अधीक्षक डा. अवनीश कुमार द्विवेदी एवं शिशु एवं बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों बच्चों ने सुवर्णप्राशन का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर विभाग की चिकित्सक डा. दीक्षा एवं डा. श्रीलक्ष्मी ने बच्चों का विधिवत चिकित्सकीय परीक्षण किया एवं उपस्थित अभिभावकों को बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास हेतु महत्वपूर्ण परामर्श भी प्रदान किया। बताया कि सुवर्णप्राशन संस्कार प्रत्येक पुष्य नक्षत्र पर नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना एवं उन्हें शारीरिक तथा मानसिक रूप से अधिक सशक्त बनाना है।

आयुर्वेद कॉलेज की ओपीडी में हुआ सुवर्णप्राशन संस्कार

गोरखपुर, २७ जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरखनाथ

इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) की ओपीडी में शुक्रवार को सुवर्णप्राशन संस्कार (आयुर्वेदिक टीकाकरण) का आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम आयुर्वेद कॉलेज के प्रधानाचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, चिकित्सा अधीक्षक डा. अवनीश कुमार द्विवेदी एवं शिशु एवं बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों बच्चों ने सुवर्णप्राशन का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर विभाग की चिकित्सक डा. दीक्षा एवं डा. श्रीलक्ष्मी ने बच्चों का विधिवत चिकित्सकीय परीक्षण किया एवं उपस्थित अभिभावकों को बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास हेतु महत्वपूर्ण परामर्श भी प्रदान किया। बताया कि सुवर्णप्राशन संस्कार प्रत्येक पुष्य नक्षत्र पर नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना एवं उन्हें शारीरिक तथा मानसिक रूप से अधिक सशक्त बनाना है।

उत्कर्ष सिंह ने बढ़ाया एमजीयूजी का मान

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 27 जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के छात्र उत्कर्ष सिंह ने 'छात्र-पुलिस अनुभवात्मक प्रशिक्षण फेज 2.0' में सोशल मीडिया पोस्टिंग श्रेणी में प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में संचालित की गई। उत्कर्ष एमजीयूजी में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक है। उत्कर्ष सिंह को प्रशस्ति पत्र उत्तर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक (नियम एवं ग्रंथ विभाग) द्वारा जारी किया गया जिसे कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी विजय आनंद शाही द्वारा प्रदान किया गया।

कुलपति ने उत्कर्ष के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व व सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करते हैं। ऐसे छात्र भविष्य में पुलिस मित्र बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम होंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना केकार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. विमल दुबे आदि ने उत्कर्ष को बधाई दी है।

उत्कर्ष सिंह ने बढ़ाया एमजीयूजी का मान

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के छात्र उत्कर्ष सिंह ने ह्छात्र-पुलिस अनुभवात्मक प्रशिक्षण फेज 2.0ह्न में सोशल

मीडिया पोस्टिंग श्रेणी में प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में संचालित की गई। उत्कर्ष एमजीयूजी में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक हैं। उत्कर्ष सिंह को प्रशस्ति पत्र उत्तर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक (नियम एवं ग्रंथ विभाग) द्वारा जारी किया गया जिसे कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी विजय आनंद शाही द्वारा प्रदान किया गया। कुलपति ने उत्कर्ष के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व व सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करते हैं। ऐसे छात्र भविष्य में पुलिस मित्र बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम होंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना केकार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. विमल दुबे आदि ने उत्कर्ष को बधाई दी है।

आयुर्वेद कॉलेज की ओपीडी में हुआ सुवर्णप्राशन संस्कार

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) की ओपीडी में

शुक्रवार को सुवर्णप्राशन संस्कार (आयुर्वेदिक टीकाकरण) का आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम आयुर्वेद कॉलेज के प्रधानाचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, चिकित्सा अधीक्षक डा. अवनीश कुमार द्विवेदी एवं शिशु एवं बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों बच्चों ने सुवर्णप्राशन का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर विभाग की चिकित्सक डा. दीक्षा एवं डा. श्रीलक्ष्मी ने बच्चों का विधिवत चिकित्सकीय परीक्षण किया एवं उपस्थित अभिभावकों को बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास हेतु महत्वपूर्ण परामर्श भी प्रदान किया। बताया कि सुवर्णप्राशन संस्कार प्रत्येक पुष्य नक्षत्र पर नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना एवं उन्हें शारीरिक तथा मानसिक रूप से अधिक सशक्त बनाना है।

उत्कर्ष सिंह ने बढ़ाया एमजीयूजी का मान

- इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व व सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करते हैं : कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के छात्र उत्कर्ष सिंह ने ह्छात्र-पुलिस अनुभवात्मक प्रशिक्षण फेज 2.0ह्न में सोशल मीडिया पोस्टिंग श्रेणी में प्रदेश में पांचवां

स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में संचालित की गई। उत्कर्ष एमजीयूजी में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक हैं। उत्कर्ष सिंह को प्रशस्ति पत्र उत्तर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक (नियम एवं ग्रंथ विभाग) द्वारा जारी किया गया जिसे कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी विजय आनंद शाही द्वारा प्रदान किया गया। कुलपति ने उत्कर्ष के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व व सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करते हैं। ऐसे छात्र भविष्य में पुलिस मित्र बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम होंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना केकार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. विमल दुबे आदि ने उत्कर्ष को बधाई दी है।

आयुर्वेद कॉलेज की ओपीडी में हुआ सुवर्णप्राशन संस्कार

संवाददाता गोरखपुर, अमृत। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) की ओपीडी में शुक्रवार को सुवर्णप्राशन संस्कार (आयुर्वेदिक टीकाकरण) का आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम आयुर्वेद कॉलेज के प्रधानाचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, चिकित्सा अधीक्षक डा. अवनीश कुमार द्विवेदी एवं शिशु एवं बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों बच्चों ने सुवर्णप्राशन का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर विभाग की चिकित्सक डा. दीक्षा एवं डा. श्रीलक्ष्मी ने बच्चों का विधिवत चिकित्सकीय परीक्षण किया एवं उपस्थित अभिभावकों को बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास हेतु महत्वपूर्ण परामर्श भी प्रदान किया। बताया कि सुवर्णप्राशन संस्कार प्रत्येक पुष्य नक्षत्र पर नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना एवं उन्हें शारीरिक तथा मानसिक रूप से अधिक सशक्त बनाना है।

आयुर्वेद कॉलेज की ओपीडी में हुआ सुवर्णप्राशन संस्कार

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 27 जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) की ओपीडी में शुक्रवार को सुवर्णप्राशन संस्कार (आयुर्वेदिक टीकाकरण) का आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम आयुर्वेद कॉलेज के प्रधानाचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, चिकित्सा अधीक्षक डा. अवनीश कुमार द्विवेदी एवं शिशु एवं बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी के निर्देशन में हुआ।

कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों बच्चों ने सुवर्णप्राशन का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर विभाग की चिकित्सक डां. दीक्षा एवं डां. श्रीलक्ष्मी ने बच्चों का विधिवत चिकित्सकीय परीक्षण किया एवं उपस्थित अभिभावकों को बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास हेतु महत्वपूर्ण परामर्श भी प्रदान किया। बताया कि सुवर्णप्राशन संस्कार प्रत्येक पुष्य नक्षत्र पर नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना एवं उन्हें शारीरिक तथा मानसिक रूप से अधिक सशक्त बनाना है।

आयुर्वेद कॉलेज की ओपीडी में हुआ सुवर्णप्राशन संस्कार

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 27 जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) की ओपीडी में शुक्रवार को सुवर्णप्राशन संस्कार (आयुर्वेदिक टीकाकरण) का आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम आयुर्वेद कॉलेज के प्रधानाचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, चिकित्सा अधीक्षक डा. अवनीश कुमार द्विवेदी एवं शिशु एवं बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी के निर्देशन में हुआ।

कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों बच्चों ने सुवर्णप्राशन का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर विभाग की चिकित्सक डां. दीक्षा एवं डां. श्रीलक्ष्मी ने बच्चों का विधिवत चिकित्सकीय परीक्षण किया एवं उपस्थित अभिभावकों को बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास हेतु महत्वपूर्ण परामर्श भी प्रदान किया। बताया कि सुवर्णप्राशन संस्कार प्रत्येक पुष्य नक्षत्र पर नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना एवं उन्हें शारीरिक तथा मानसिक रूप से अधिक सशक्त बनाना है।

उत्कर्ष सिंह ने बढ़ाया एमजीयूजी का मान

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 27 जून। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के छात्र उत्कर्ष सिंह ने 'छात्र-पुलिस अनुभवात्मक प्रशिक्षण फेज 2.0' में सोशल मीडिया पोस्टिंग श्रेणी में प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में संचालित की गई। उत्कर्ष एमजीयूजी में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक है। उत्कर्ष सिंह को प्रशस्ति पत्र उत्तर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक (नियम एवं ग्रंथ विभाग) द्वारा जारी किया गया जिसे कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी विजय आनंद शाही द्वारा प्रदान किया गया।

कुलपति ने उत्कर्ष के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व व सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करते हैं। ऐसे छात्र भविष्य में पुलिस मित्र बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम होंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना केकार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. विमल दुबे आदि ने उत्कर्ष को बधाई दी है।

चार साल में ही एमजीयूजी के पास उपलब्धियों की लंबी श्रृंखला

- 1 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी अकादमिक भवन, ऑडिटोरियम, पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण व गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास
- तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 28 अगस्त 2021 को किया था एमजीयूजी का लोकार्पण
- गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति
- एमजीयूजी में एमबीबीएस, बीएएमएस सहित नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी, एलायड हेल्थ साइंस में डिप्लोमा से लेकर मास्टर डिग्री तक के अनेक कोर्स

नव अमृत प्रभात संवाददाता

समाचार दर्पण

चार साल में ही एमजीयूजी के पास उपलब्धियों की लंबी श्रृंखला

समयानुकूल शिक्षा और चिकित्सा का रोल मॉडल बन रहा एमजीयूजी

समयानुकूल शिक्षा और चिकित्सा का रोल मॉडल बन रहा एमजीयूजी

गोरखनाथ मंदिर में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा पर पुष्पांजलि करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • सौजन्य: प्रशासन

राष्ट्रपति का आगमन गौरवपूर्ण क्षण तैयारी भी यादगार बनाएं : योगी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक जुलाई को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों होने वाले लोकार्पण व शिलान्यास समारोह को भव्य और यादगार बनाया जाए। राष्ट्रपति का आगमन इस विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण अवसर है, इसलिए तैयारियां भी उसी अनुरूप होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एक जुलाई को प्रस्तावित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आगमन और उनके कार्यक्रमों से जुड़ी तैयारियों का निरीक्षण करने के बाद समीक्षा बैठक कर रहे थे। एक जुलाई को राष्ट्रपति एमजीयूजी में अकादमिक भवन, आडिटोरियम और पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण तथा गर्ल्स हास्टल का शिलान्यास करेंगी। निरीक्षण के बाद एमजीयूजी के गेस्ट हाउस में बैठक करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है कि इसके लोकार्पण को अभी चार साल भी पूरा नहीं हुआ है और इस अंतराल में यहां दूसरी बार राष्ट्रपति का आगमन होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम को 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के सानिध्य में हुए विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह की ही तरह शानदार बनाया जाए। उन्होंने कहा कि एमजीयूजी को सतत हासिल हो रही उपलब्धियों में राष्ट्रपति का कार्यक्रम इस विश्वविद्यालय को और प्रगति करने में प्रेरणादायी होगा। मुख्यमंत्री ने लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में सुरक्षा व्यवस्था, आगंतुकों के लिए की जा रही व्यवस्था आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी ली और कहा कि कार्यक्रम सुव्यवस्थित और सुविधाजनक होना चाहिए।

चार वर्ष में ही गोरखनाथ विश्वविद्यालय को मिला चहुंमुखी उत्कर्ष

इन संस्थानों के साथ हो चुका है अनुबंध

एमजीयूजी में भव्य व यादगार बनाया जाए राष्ट्रपति का कार्यक्रम : सीएम योगी

'एमजीयूजी में राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम से जुड़ी तैयारियों को परखा मुख्यमंत्री ने'

रोजगारपरक शिक्षा व चिकित्सा का रोल माडल बन रहा गोरखनाथ विश्वविद्यालय

यह और अन्य खबरें देखें https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html

गुरु का सपना मिशन बना, अब सामने है शिक्षा-चिकित्सा का योगी मॉडल

चार साल में ही एमजीयूजी के पास उपलब्धियां ही उपलब्धियां

1 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी अकादमिक भवन, ऑडिटोरियम, पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण व गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास • 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था एमजीयूजी का लोकार्पण • एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति

1 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी अकादमिक भवन, ऑडिटोरियम, पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण व गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति

अकादमिक भवन का लोकार्पण, गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास

एमजीयूजी

MGUG has a long list of achievements in just four years

On July 1, President of India Smt. Droupadi Murmu will inaugurate academic building, auditorium, Panchkarma center and lay the foundation stone of girls hostel

आयुर्वेद कॉलेज की ओपीडी में हुआ सुवर्णप्राशन संस्कार

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) की ओपीडी में शुक्रवार को सुवर्णप्राशन संस्कार (आयुर्वेदिक टीकाकरण) का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आयुर्वेद कॉलेज के प्रधानाचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, चिकित्सा अधीक्षक डा. अवनीश कुमार द्विवेदी एवं शिशु एवं बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों बच्चों ने सुवर्णप्राशन का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर विभाग की चिकित्सक डा. दीक्षा एवं डा. श्रीलक्ष्मी ने बच्चों का विधिवत चिकित्सकीय परीक्षण किया एवं उपस्थित अभिभावकों को बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास हेतु महत्वपूर्ण परामर्श भी प्रदान किया। बताया कि सुवर्णप्राशन संस्कार प्रत्येक पुष्य नक्षत्र पर नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देय बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना एवं उन्हें शारीरिक तथा मानसिक रूप से अधिक सशक्त बनाना है।

आरोग्य पथ

समाचार दर्पण

समयानुकूल शिक्षा और चिकित्सा का रोल मॉडल बन रहा एमजीयूजी

- रोजगारपरक और ग्लोबल डिमांड वाले पाठ्यक्रमों से बनी अलग पहचान
- अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का भी हो रहा सतत विस्तार
- एक जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी अकादमिक भवन, ऑडिटोरियम, पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण और गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास

चार साल में ही एमजीयूजी के पास उपलब्धियों की लंबी श्रृंखला

चार साल में ही एमजीयूजी के पास उपलब्धियों की लंबी श्रृंखला

शिक्षा और चिकित्सा का रोल मॉडल बन रहा एमजीयूजी

- एक जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी अकादमिक भवन, ऑडिटोरियम, पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण और गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास

रोजगारपरक और ग्लोबल डिमांड वाले पाठ्यक्रमों से बनी अलग पहचान

समयानुकूल शिक्षा और चिकित्सा का रोल मॉडल बन रहा एमजीयूजी

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। अपने संस्थापक और कुलाधिपति, गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) समयानुकूल, भविष्योन्मुखी शिक्षा और सेवाभाव वाली सर्वसुलभ चिकित्सा का रोल मॉडल बन रहा है। यहां के रोजगारपरक पाठ्यक्रमों ने कम समय में ही इसे सबसे जल्द प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने वाला उच्च शिक्षण संस्थान बना दिया है तो एलोपैथ और आयुर्वेद पद्धति से उत्कृष्ट और रियायती चिकित्सा के लिए भी यह ख्यातिलब्ध हो चुका है। विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का भी सतत विस्तार हो रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार (एक जुलाई) को एमजीयूजी के परिसर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के

• अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का भी हो रहा सतत विस्तार

हाथों अकादमिक भवन, हाईटेक ऑडिटोरियम, विश्व स्तरीय पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण तथा एक हजार की क्षमता वाले गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास होने जा रहा है। राष्ट्रपति के कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए यहां तैयारी को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

आरोग्यधाम, सोनबरसा (बालापार रोड) में स्थित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश में आजादी के पहले से राष्ट्रीयतापूर्ण शैक्षिक पुनर्जागरण करने वाले महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का प्रकल्प है। यह शिक्षा परिषद गोरक्षपीठ के अधीन संचालित है और वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की नींव ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और इस परिषद को विस्तारित करने वाले ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के विचारों पर रखी है। प्राकृतिक झील चिलुआताल के किनारे सुरम्य वातावरण में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का लोकार्पण 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। लोकार्पण के बाद इस विश्वविद्यालय ने उच्च और रोजगारपरक शिक्षा और आयुर्वेद तथा मॉडर्न मेडिसिन के जरिये चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति की है।

चिकित्सा के क्षेत्र में एमजीयूजी के बढ़ते कदम

इस विश्वविद्यालय के लोकार्पण के साथ ही परिसर में आयुर्वेद कॉलेज से संबद्ध आयुर्वेद चिकित्सालय की सेवा लोगों को मिलने लगी थी। यहां पंचकर्म चिकित्सा की भी महत्वपूर्ण और उत्कृष्ट सुविधा है जिस पर दक्षिण भारत का एकाधिकार मान लिया गया था। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के अनुसार आयुर्वेद कॉलेज के अलावा गत शैक्षिक सत्र में मेडिकल कॉलेज का संचालन शुरू होते ही मॉडर्न मेडिसिन से भी उच्च स्तरीय इलाज शुरू हो चुका है। यहां सुयोग्य डॉक्टरों की फौज है। साथ ही देश के ख्यातिलब्ध विशेषज्ञ डॉक्टर भी यहां परामर्श देने आते हैं। मेदांता और एम्स के डॉक्टरों से ई-आईसीयू की सेवा मिलती है। एमजीयूजी के मेडिकल कॉलेज को भविष्य में 1800 बेड के हॉस्पिटल से अपग्रेड करने की कार्ययोजना पर भी तेजी से काम हो रहा है।

एमजीयूजी में भव्य व यादगार बनाया जाए राष्ट्रपति का कार्यक्रम : सीएम

गोरखपुर(एसएनबी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक जुलाई को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों होने वाले लोकार्पण व शिलान्यास समारोह को भव्य और यादगार बनाया जाए। राष्ट्रपति का आगमन इस विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण अवसर है, इसलिए तैयारियां भी उसी के अनुरूप होनी चाहिए।

राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम से जुड़ी तैयारी को मुख्यमंत्री ने परखा

सीएम योगी शुक्रवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में एक जुलाई को प्रस्तावित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आगमन और उनके कार्यक्रमों से जुड़ी तैयारियों का निरीक्षण करने के बाद समीक्षा बैठक कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि एक जुलाई को राष्ट्रपति एमजीयूजी में अकादमिक भवन, ऑडिटोरियम और पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण तथा गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी।

निरीक्षण के बाद एमजीयूजी के गेस्ट हाउस में बैठक करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है कि इसके लोकार्पण को अभी चार साल भी पूरा नहीं हुआ है और इस अंतराल में यहां दूसरी बार राष्ट्रपति का आगमन होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम को 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के सानिध्य में हुए विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह की ही तरह शानदार बनाया जाए। उन्होंने कहा कि एमजीयूजी को सतत हासिल हो रहीं उपलब्धियों में राष्ट्रपति का कार्यक्रम इस विश्वविद्यालय को और प्रगति करने में प्रेरणादायी होगा। मुख्यमंत्री ने लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में सुरक्षा व्यवस्था, आगंतुकों के लिए की जा रही व्यवस्था आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी ली और कहा कि कार्यक्रम सुव्यवस्थित और सुविधाजनक होना चाहिए।

चार साल में ही एमजीयूजी के पास उपलब्धियों की लंबी श्रृंखला

1 जुलाई को राष्ट्रपति मुर्मु करेंगी अकादमिक भवन, ऑडिटोरियम, पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण

स्वदेश समाचार ■ गोरखपुर

स्थापना के चार साल के भीतर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नाम उपलब्धियों की लंबी सूची है। पूरे प्रदेश में इसकी पहचान समयानुकूल, रोजगारपरक शिक्षा तथा आधुनिक एवं प्राचीन चिकित्सा के संगम के रूप में सुदृढ़ हुई है। 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों लोकार्पित इस विश्वविद्यालय में 1 जुलाई को वर्तमान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु का आगमन होने जा रहा है। राष्ट्रपति यहां अकादमिक भवन, करीब पंद्रह सौ लोगों के बैठने की क्षमता के ऑडिटोरियम, ग्यारह कॉटेज वाले विश्व स्तरीय पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण और एक हजार की क्षमता के गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी।

एमजीयूजी मॉडर्न मेडिकल एजुकेशन, आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा, नर्सिंग शिक्षा, फार्मेसी शिक्षा के साथ स्नातक और परा स्नातक के अत्याधुनिक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के संचालन वाले एक बड़े राष्ट्रीय केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। यहां के आयुर्वेद कॉलेज में बीएएमएस की पढ़ाई विश्वविद्यालय स्थापना के पहले सत्र से ही हो गई थी जबकि मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कोर्स का संचालन पिछले सत्र से हुआ है। यही नहीं, नर्सिंग एवं पैरा मेडिकल संकाय में दर्जनभर रोजगारदायी पाठ्यक्रम पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। विश्वविद्यालय में एलॉयड हेल्थ साइंसेज फार्मेसी, एग्रीकल्चर, व्यवसाय प्रबंधन से संबंधित डिप्लोमा से लेकर मास्टर डिग्री तक के दो दर्जन पाठ्यक्रम संचालित हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह बताते हैं कि यहां के सभी पाठ्यक्रम रोजगारपरक हैं और उनकी बहुत मांग है। यहां भारतीय ज्ञान मूल्यों का संरक्षण व संवर्धन, वर्तमान और भावी समय को ध्यान में रखकर अनुसंधानिक तरीके से किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यहां पाठ्यक्रम ऐसे हैं जो समाज के लिए लाभकारी, विद्यार्थी के लिए सहज रोजगारदायी हैं।

चार साल में ही एमजीयूजी के पास उपलब्धियों की लंबी श्रृंखला

1 जुलाई को राष्ट्रपति मुर्मु करेंगी अकादमिक भवन, ऑडिटोरियम, पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण

स्वदेश समाचार ■ गोरखपुर

स्थापना के चार साल के भीतर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नाम उपलब्धियों की लंबी सूची है। पूरे प्रदेश में इसकी पहचान समयानुकूल, रोजगारपरक शिक्षा तथा आधुनिक एवं प्राचीन चिकित्सा के संगम के रूप में सुदृढ़ हुई है। 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों लोकार्पित इस विश्वविद्यालय में 1 जुलाई को वर्तमान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु का आगमन होने जा रहा है। राष्ट्रपति यहां अकादमिक भवन, करीब पंद्रह सौ लोगों के बैठने की क्षमता के ऑडिटोरियम, ग्यारह कॉटेज वाले विश्व स्तरीय पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण और एक हजार की क्षमता के गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी।

एमजीयूजी मॉडर्न मेडिकल एजुकेशन, आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा, नर्सिंग शिक्षा, फार्मेसी शिक्षा के साथ स्नातक और परा स्नातक के अत्याधुनिक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के संचालन वाले एक बड़े राष्ट्रीय केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। यहां के आयुर्वेद कॉलेज में बीएएमएस की पढ़ाई विश्वविद्यालय स्थापना के पहले सत्र से ही हो गई थी जबकि मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कोर्स का संचालन पिछले सत्र से हुआ है। यही नहीं, नर्सिंग एवं पैरा मेडिकल संकाय में दर्जनभर रोजगारदायी पाठ्यक्रम पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। विश्वविद्यालय में एलॉयड हेल्थ साइंसेज फार्मेसी, एग्रीकल्चर, व्यवसाय प्रबंधन से संबंधित डिप्लोमा से लेकर मास्टर डिग्री तक के दो दर्जन पाठ्यक्रम संचालित हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह बताते हैं कि यहां के सभी पाठ्यक्रम रोजगारपरक हैं और उनकी बहुत मांग है। यहां भारतीय ज्ञान मूल्यों का संरक्षण व संवर्धन, वर्तमान और भावी समय को ध्यान में रखकर अनुसंधानिक तरीके से किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यहां पाठ्यक्रम ऐसे हैं जो समाज के लिए लाभकारी, विद्यार्थी के लिए सहज रोजगारदायी हैं।

एक को राष्ट्रपति करेंगी अकादमिक भवन का लोकार्पण, हॉस्टल का शिलान्यास

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। स्थापना के चार साल के भीतर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नाम उपलब्धियों की लंबी सूची है। पूरे प्रदेश में इसकी पहचान समयानुकूल, रोजगारपरक शिक्षा तथा आधुनिक एवं प्राचीन चिकित्सा के संगम के रूप में सुदृढ़ हुई है। 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों लोकार्पित इस विश्वविद्यालय में 1 जुलाई को वर्तमान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु का आगमन होने जा रहा है। राष्ट्रपति यहां अकादमिक भवन, करीब पंद्रह सौ लोगों के बैठने की क्षमता के ऑडिटोरियम, ग्यारह कॉटेज वाले विश्व स्तरीय पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण और एक हजार की क्षमता के गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी।

एमजीयूजी मॉडर्न मेडिकल एजुकेशन, आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा, नर्सिंग शिक्षा, फार्मेसी शिक्षा के साथ स्नातक और परा स्नातक के अत्याधुनिक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के संचालन वाले एक बड़े राष्ट्रीय केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। यहां के आयुर्वेद कॉलेज में बीएएमएस की प ढ़ा ई विश्वविद्यालय स्थापना के पहले सत्र से ही हो गई थी जबकि मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कोर्स का संचालन पिछले सत्र से हुआ है। यही नहीं, नर्सिंग एवं पैरा मेडिकल संकाय में दर्जनभर रोजगारदायी पाठ्यक्रम पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। विश्वविद्यालय मे एलॉयड हेल्थ साइंसेज फार्मेसी, एग्रीकल्चर, व्यवसाय प्रबंधन से संबंधित डिप्लोमा से लेकर मास्टर डिग्री तक के दो दर्जन पाठ्यक्रम संचालित हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह बताते है कि यहां के सभी पाठ्यक्रम रोजगारपरक हैं और उनकी बहुत मांग है। यहां भारतीय ज्ञान मूल्यों का संरक्षण व संवर्धन, वर्तमान और भावी समय को ध्यान में रखकर अनुसंधानिक तरीके से किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यहां पाठ्यक्रम ऐसे हैं जो समाज के लिए लाभकारी, विद्यार्थी के लिए सहज रोजगारदायी हैं।

जून माह की मुख्य बैठकें

23 जून, 2025 | माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में भारत के राष्ट्रपति की विश्वविद्यालय यात्रा हेतु तैयारियाँ हेतु आयोजित बैठक

कार्यवाही :

1. कुलसचिव ने बताया कि 1 जुलाई, 2025 को भारत के माननीय राष्ट्रपति की प्रस्तावित यात्रा हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं की आवश्यकता है। सभी विश्वविद्यालय अधिकारियों से सहयोग की अपेक्षा जताई गई।
2. कार्यक्रम की सफल आयोजन हेतु निम्नलिखित नोडल अधिकारियों को नामित किया गया, जिन्हें अपनी–अपनी टीम बनाकर रिपोर्ट करनी है:
3. डॉ. प्रशांत एस. व श्री अमित कुमार सिंह को समग्र नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करने को कहा गया, जो कुलपति व कुलसचिव को कार्य की प्रगति की रिपोर्ट देंगे।
4. सभी संबंधितों को अपने–अपने कार्यस्थलों पर उपस्थित रहने व यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि कोई भी खिड़कियों से न झाँके और संभव हो तो खिड़कियाँ बंद रखी जाएँ।

जुलाई, 2025 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विभागीय आयोजन

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

10 जुलाई, 2025	बुद्ध पूर्णिमा
26 जुलाई, 2025	चरक जयन्ती
28 जुलाई, 01 अगस्त 2025	पीए 5 परीक्षा नागार्जुन बैच

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

12 जुलाई, 2025	आंतरिक परीक्षा प्रथम वर्ष
15 जुलाई, 2025	नव प्रवेशित छात्रों का ओरिएंटेशन प्रोग्राम

फॉर्मेसी संकाय

15 जुलाई, 2025	बी फार्मा तृतीय सत्र और पंचम सत्र की कक्षाओं का संचालन
15 जुलाई, 2025	नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ कार्यक्रम

स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय

15 जुलाई, 2025	द्वितीय एवं तृतीय सत्र के कक्षाओं का संचालन

कृषि संकाय

15 जुलाई, 2025	नव अकादमिक सत्र का शुभारंभ
16 से 30 जुलाई, 2025	नव–प्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारम्भ कार्यक्रम

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर

01 जुलाई, 2025	चिकित्सक दिवस
11 जुलाई, 2025	विश्व जनसंख्या दिवस

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

11 जुलाई, 2025	विश्व जनसंख्या दिवस

निर्माणाधीन परिसर

01 निर्माणाधीन क्रीडांगन

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

आरोग्य पथ

01 पौधरोपण कार्यक्रम में माननीय कुलपति, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

02 योग की विभिन्न मुद्राओं का प्रदर्शन

03 श्री अविनाश त्रिपाठी जी को सम्मानित करते आयुर्वेद के प्राचार्य

04 स्वर्णप्रशन शिविर में अभिभावक व बच्चे

05 योगाभ्यास करते माननीय कुलपति व अन्य

06 नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा एवं सुश्री स्वेता अल्बर्ट

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय